@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 24 जनवरी 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 81 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में किया ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन

● यह भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं की समृद्ध साहित्यिक एवं बौद्धिक परंपरा को समर्पित है।

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। यह भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं की समृद्ध साहित्यिक एवं बौद्धिक परंपरा को समर्पित है। ग्रंथ कुटीर में इन भाषाओं से संबंधित लगभग 2300 पुस्तकें और 50 के आसपास पांडुलिपियां संग्रहित हैं। शास्त्रीय भाषायें तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओड़िया, मराठी, पालि, प्राकृत, असमिया और बांग्ला हैं। अक्टूबर 2024 में मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने के बाद अब कुल 11 भाषाएँ इस श्रेणी में सम्मिलित हैं। पांडुलिपियां ताड़पत्र, कागज, छाल और वस्त्र जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हस्तलिखित हैं। इस संग्रह में महाकाव्य, दर्शन, भाषाविज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान, भक्ति साहित्य तथा शास्त्रीय भाषायें शामिल हैं। साथ ही इनमें भारत का संविधान भी शामिल है।

ग्रंथ कुटीर का विकास केंद्र एवं राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और व्यक्तिगत दाताओं के सहयोग से किया गया है। शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय तथा उनसे संबद्ध संस्थानों ने इस पहल को समर्थन दिया है। वहीं, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र पांडुलिपियों के संरक्षण और प्रबंधन में विशेषज्ञ सहयोग प्रदान कर रहा है।

रांची में 'विकसित भारत-2047' संवाद आयोजित

● रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और नौसेना प्रमुख हुए शामिल

एजेंसी
रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के संगम ऑडिटोरियम में शुक्रवार को 'विकसित भारत-2047' संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत संबोधन से हुई। सीसीएल के निदेशक हर्ष नाथ मिश्रा ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का आभार व्यक्त करते हुए इस संवाद कार्यक्रम की पहल के लिए उनकी सराहना की।

अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज का दिन विशेष रूप से पावन है, क्योंकि यह बसंत पंचमी, मां सरस्वती की आराधना और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की

जयंती का अवसर है। उन्होंने युवाओं को 'विकसित भारत-2047' का ब्रांड एंबेसडर बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ऊर्जा और प्रेरणा का संगम है।

संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि एक लाख युवा है और यही युवा शक्ति भारत का भविष्य तय करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि सभागार भले ही छोटा हो, लेकिन यहां उपस्थित युवाओं के दिल और सपने बहुत बड़े हैं। युवाओं का समर्पण और अनुशासन यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत-2047' अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की नियति

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तानी जैश कमांडर मारा गया

एजेंसी
जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को जॉइंट फोर्सेज ने जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकवादी कमांडर उस्मान को मार गिराया। आईजीपी (जम्मू जोन) भीम सेन टूटी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट कर जानकारी दी कि कठुआ जिले के बिलावर इलाके में सेना और सीआरपीएफ के साथ एक जॉइंट ऑपरेशन में जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक टीम ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया है। सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स ने भी एक्स पर कहा, 'खास इंटेलिजेंस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए 23 जनवरी को सेना और पुलिस ने कठुआ के परहेतर इलाके में जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। इलाके की घेराबंदी की गई और संपर्क स्थापित किया गया। जॉइंट फोर्सेज की सटीक कार्रवाई में 1 विदेशी आतंकवादी को खत्म कर दिया गया है। सर्च ऑपरेशन जारी हैं।

मुख्यमंत्री सेहत योजना को पूरे पंजाब में भारी समर्थन

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 23 जनवरी। पंजाब में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करते हुए पंजाब सरकार ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की शुरुआत कर दी है। इस पहल के तहत आज कैबिनेट मंत्रियों के नेतृत्व में पूरे पंजाब में लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सुनाम ऊधम सिंह वाला में पंजीकरण अभियान का नेतृत्व करते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इस योजना की शुरुआत के साथ पंजाब का प्रत्येक परिवार 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराने का अधिकार प्राप्त करेगा। इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक की छोटी और बड़ी सभी बीमारियों के लिए सभी दवाइयां और जांचें निःशुल्क उपलब्ध होंगी। अस्पताल में भर्ती होने पर मरीज को केवल अपना स्वास्थ्य कार्ड दिखाना होगा और पूरा इलाज कैशलेस होगा। मंत्री ने कहा कि पंजाब में लगभग 65 लाख परिवार हैं और इन सभी 65 लाख परिवारों (लगभग तीन करोड़ नागरिकों को कवर करते हुए) को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे। यह पहली बार है जब पात्रता के लिए कोई आय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, जो देश के लिए एक नई मिसाल है। अब तक 850 सरकारी और निजी अस्पतालों को इस योजना में सूचीबद्ध किया जा चुका है और शीघ्र ही और अस्पताल भी शामिल किए जाएंगे। इस योजना के तहत 2,356 से अधिक उपचार पैकेज शामिल किए गए हैं (पहले 1,600 से अधिक), जिनमें ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी सहित कई अन्य विशेषताएं शामिल हैं। अस्पताल खर्चों के साथ-साथ डायग्नोस्टिक सेवाएं भी इस योजना में शामिल हैं। अब कोई भी नागरिक पंजाब या चंडीगढ़ के किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में निःशुल्क इलाज करवा सकता है। अस्पतालों को इलाज के 15 दिनों के भीतर भुगतान प्राप्त हो जाएगा, क्योंकि राज्य सरकार पहले ही बीमा कंपनी को अग्रिम प्रीमियम का भुगतान कर चुकी है। पठानकोट में कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने गांव दारो सलाम, भोआ और गोबिंदसर में घर-घर जाकर पंजीकरण प्रक्रिया की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि जिला पठानकोट के 14 अस्पतालों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा गया है। उन्होंने आगे बताया कि योजना के तहत कार्ड बनाने के लिए गांवों में शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा ये कार्ड कॉमन सर्विस सेंटरों में भी बनाए जाएंगे। इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए आधार कार्ड और वोटर कार्ड आवश्यक होगा, जबकि 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और माता या पिता का वोटर कार्ड आवश्यक होगा। मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से गोबिंदसर गांव के निवासी प्रदीप कुमार, जो एक दुर्घटना में घायल हो गए थे, को उनके घर जाकर मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का कार्ड सौंपा। कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज साहनेवाल के गांव मानगढ़ में 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना' के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज प्रदान करने हेतु लगाए गए शिविर का उद्घाटन किया। कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार ने गांवों और मोहल्लों में लगभग 1,000 मोहल्ला क्लीनिक स्थापित किए हैं, जबकि पिछले 75 वर्षों में सभी सरकारों ने मिलकर केवल 400 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ही खोले थे। वर्तमान सरकार ने मात्र चार वर्षों में 1,000 मोहल्ला क्लीनिक स्थापित किए हैं और 500 अन्य निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा अगले चार से पांच महीनों में 2,500 'पिंड क्लीनिक' खोले जाएंगे। इस पहल के दायरे के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और पंजाब का प्रत्येक मूल निवासी स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र होगा। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत 850 सरकारी और निजी अस्पताल पहले ही सूचीबद्ध किए जा चुके हैं और आने वाले समय में और अस्पताल शामिल किए जाएंगे। तरनतारन जिले के गांव सभरा में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की शुरुआत करते हुए परिवहन एवं जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी निजी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेगा। इसके अलावा, सुल्तानपुर लोधी में रजिस्ट्रेशन की शुरुआत राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल द्वारा की गई, होशियारपुर में यह कार्य विधायक ब्रह्म शंकर जिंपा द्वारा शुरू किया गया।

देश के लिए नेता जी का योगदान अविस्मरणीय: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष

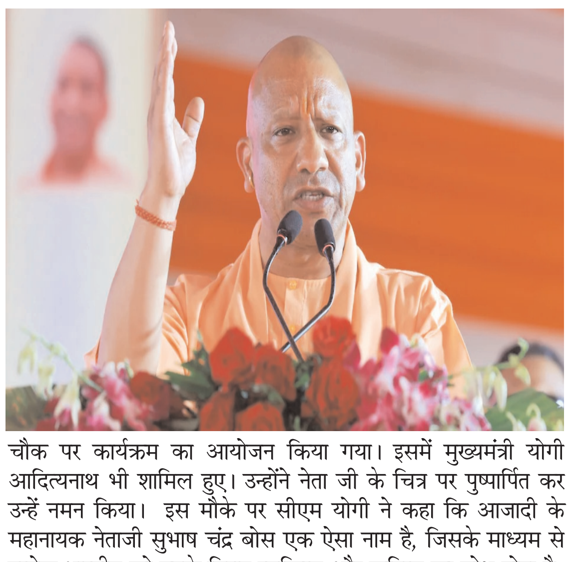

चौक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। उन्होंने नेता जी के चित्र पर पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक ऐसा नाम है, जिसके माध्यम से प्रत्येक भारतीय को उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व का बोध होता है। राष्ट्र के प्रति निष्ठा का भाव, साहस, वीरता और निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा प्राप्त होती है। सीएम ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के अभियान में उनके योगदान के कारण प्रत्येक देशवासी नेताजी के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव रखता है। हमें उनके व्यक्तित्व में ओज, तेज और किसी विपरीत परिस्थिति में भी देशद्रोही और देश विरोधी तत्वों के सामने न झुकने का दृ? संकल्प दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वाधीनता आंदोलन को एक नई दिशा देने की ओर अग्रसर था। उन परिस्थितियों में सुभाष चंद्र बोस ने क्रांतिकारियों के सिरमौर के रूप में आजादी की ल?ाई को नई गति प्रदान की। उनके द्वारा किया गया आह्वान कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' देश के नागरिकों के लिए मंत्र बन गया था। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, एमएलसी अवनीश कुमार सिंह, डॉ. महेंद्र कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह उपस्थित थे।

शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय समेत पांच को यूपी गौरव सम्मान से करेंगे सम्मानित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह तीन दिवसीय यूपी दिवस का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर वे एक जिला, एक व्यंजन (ओडीओसी) और सरदार पटेल औद्योगिकी क्षेत्र योजना का भी शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा सीएम युवा योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों को पुरस्कृत भी करेंगे। इस अवसर पर गृहमंत्री राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे राष्ट्र प्रेरणा संग्रहालय और शिल्प मेला, ओडीओसी व्यंजन मेला, विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन व भ्रमण करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश की विकास यात्रा, क्षमता एवं सामर्थ्य तथा सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय व पीपीपी मोड पर संचालित योजनाओं, माघ मेला-2026, बुंदेलखंड के पर्यटन स्थल, विरासत संरक्षण, ईको टूरिज्म बोर्ड की महत्वपूर्ण पहलों तथा यूपीएसटीडीसी की लखनऊ दर्शन जैसे प्रयासों और उपलब्धियों को दिखाया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने सिख फॉर जस्टिस के आतंकी पन्नु पर दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 से पहले दिल्ली में अशांति फैलाने की धमकियों के मामले में एफआईआर दर्ज की। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 196, 197, 152 और 61 के तहत यह कार्रवाई की। ये धाराएँ भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ कृत्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अपराधों से संबंधित हैं। एफआईआर सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद दर्ज की गई, जिसमें पन्नू ने कथित तौर पर रोहिणी और डाबरी इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपकाने की धमकी दी थी। पुलिस ने तलाशी और वेरिफिकेशन के दौरान इन इलाकों में अब तक किसी पोस्टर की पुष्टि नहीं की। जांच अब वीडियो के स्रोत और पन्नू के दावों के पीछे के इरादों पर केंद्रित है। इसी बीच गुरुवार को क्रोएशिया के जाग्रेब में भारतीय दूतावास में खालिस्तानी कार्यकर्ताओं द्वारा घुसपैठ की गई और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को नुकसान पहुँचाया गया। विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों की पहचान कर उन्हें जवाबदेह ठहराने की बात कही। वीडियो में दिखाया गया कि 22 जनवरी को कार्यकर्ता ने दूतावास परिसर में भारतीय ध्वज हटाकर खालिस्तान का झंडा लगाया।

अहमदाबाद और नोएडा के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के प्रतिष्ठित स्कूलों सेंट जेवियर्स और संत कबीर को ई-मेल के जरिए शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और स्कूल परिसरों की गहन जांच की। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों को सूचित करते हुए बच्चों को सुरक्षित ड्रॉप-ऑफ स्थान से लेने का निर्देश दिया। नोएडा के शिव नादर स्कूल को भी ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ई-मेल फर्जी प्रतीत हो रहा है, लेकिन हर पहलू से जांच जारी है। यह पहली बार नहीं है जब नोएडा के स्कूलों को इस तरह की धमकियां मिली हों। पुलिस और साइबर सेल ई-मेल ट्रेसिंग, आईपी एड्रेस और भेजने वाले की पहचान में जुटी हुई है। स्कूल परिसरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस अलर्ट मोड में है। अभिभावकों में लगातार मिल रही धमकियों के कारण चिंता का माहौल है। सुरक्षा जांच के चलते सभी प्रभावित स्कूलों को एक दिन के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया। स्कूल बसों को वापस भेज दिया गया और अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को निर्धारित ड्रॉप-ऑफ स्थान से ही लें। प्रशासन ने कहा कि छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कश्मीर घाटी में लगातार बर्फबारी से यातायात अस्त-व्यस्त

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में हाल ही में हुई लगातार बर्फबारी ने पूरे इलाके को सफेद चादर में ढक दिया है। श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में तापमान में तेज गिरावट के साथ ही जनजीवन प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोग ठंड और बर्फ के कारण घरों में सीमित रहने को मजबूर हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि भारी बर्फबारी अभी कुछ दिन तक जारी रह सकती है। श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खराब दृश्यता और रनवे पर जमी बर्फ के कारण कई उड़ानों को रद्द या देर से संचालित होना पड़ा। एयरलाइंस ने यात्रियों से लगातार संपर्क में रहने की अपील की। हालांकि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने हाल ही में रनवे से बर्फ हटाने के बाद उड़ानों के धीरे-धीरे बहाल होने की संभावना जताई है। भारी बर्फ जमने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल रोड और सिंथन रोड कई स्थानों पर बंद हैं। ट्रैफिक पुलिस ने फिसलन और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वाहनों को रोक रखा है। सड़कें केवल मौसम में सुधार और बर्फ हटाने के बाद ही खोलने का निर्णय लिया जाएगा। बंद सड़क और उड़ानों के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि हवाई किराए में भी वृद्धि हो गई है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रशासन ने अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

बर्फबारी और भारी वर्षा के कारण माता वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई

जम्मू (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सूचना आई है कि बर्फबारी और भारी वर्षा के कारण माता वैष्णो देवी यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। शुक्रवार को अचानक मौसम में बदलाव के कारण जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड और बारिश का असर बढ़ गया। इस वर्ष पहली बार जम्मू क्षेत्र में इतनी व्यापक बारिश और बर्फबारी देखी गई है। मौसम की मार सबसे अधिक त्रिकूट पर्वत श्रृंखला पर पड़ी, जहां जारी वर्षा और हिमपात के कारण यात्रा मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया हैं। सुरक्षा की दृष्टि से नए श्रद्धालुओं के पंजीकरण पर रोक लगा दी गई है। भवन क्षेत्र में रात भर बारिश और सुबह बर्फबारी होने के कारण माता के भक्तों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके साथ ही भूस्खलन का जोखिम भी बढ़ गया है। इन परिस्थितियों को देखकर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा स्थगित करने का फैसला किया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 36 घंटों तक जम्मू-कश्मीर में मौसम खराब बना रह सकता है। मैदानी इलाकों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। पटनीटॉप, राजौरी और पूंछ के ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात लगातार हो रहा है। कई स्थानों पर भारी बर्फबारी की चेतावनी भी जारी की गई है। श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थगित रखें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों ने हाई-लेवल अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस से पहले पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों ने हाई-लेवल अलर्ट जारी किया हुआ है। खुफिया इनपुट के अनुसार, आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा पंजाब, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमले या हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन खतरों को देखकर सुरक्षा बलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है।

भारत-ईयू का वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया

-जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ की बातचीत

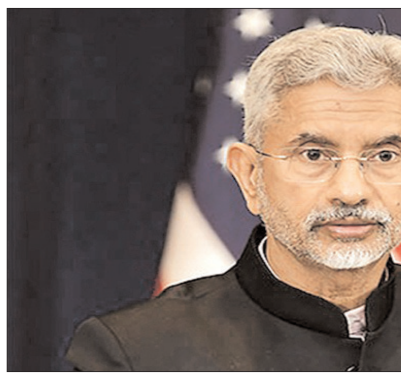

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ बातचीत में मजबूत व्यापार, आवाजाही और सुरक्षा साझेदारी के जरिये वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया। यह बैठक 27 जनवरी को प्रस्तावित भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखकर की गई। 27 जनवरी को होने वाली बैठक में दोनों पक्षों की तरफ से व्यापार समझौते के निष्कर्षों की घोषणा करने और समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने वाली एक नई सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

भारत और ईयू छात्रों, मौसमी श्रमिकों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही सुविधाजनक बनाने और अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने व्यापक गतिशीलता ढांचे पर एक समझौते की योजना बना रहे हैं। दोनों पक्ष 'सूचना समझौते की सुरक्षा' पर एक और समझौता करने की तैयारी भी कर रहे हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईयू के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ अपनी बैठक में उन्होंने 'दुनिया की वर्तमान स्थिति के बारे में बात की जिसमें अस्थिरता अब एक आम बात हो गई है।

विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे मजबूत भारत-ईयू सहयोग पर जोर दिया जो लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से बचाएगा और मानवीय प्रतिरोध और आपदा राहत एवं अन्य सहायता प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत-ईयू को 'मजबूत व्यापार, गतिशीलता और सुरक्षा साझेदारी के जरिए वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की नई दिल्ली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। दोनों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे। उन्होंने कहा कि ईयू के नेतृत्व की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियां अच्छी तरह चल रही हैं लेकिन चुनौतियां भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ईयू भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है और उन्होंने भारत को यूरोप के आर्थिक लचीलेपन के लिए 'अनिवार्य' बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान और एजेंडे पर इस उद्देश्य के साथ काम किया है कि शिखर सम्मेलन से 'भू-राजनीतिक' परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए ठोस नतीजा निकले।

वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को पेश करेंगी लेखा-जोखा, मिडिल क्लास और हेल्थकेयर पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करेंगी। पिछले बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर बड़ी राहत दी गई थी, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार प्रत्यक्ष कर में बहुत बड़े बदलाव की संभावना कम है। हालांकि, मध्यम वर्ग को उम्मीद है कि सरकार मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) या अन्य रियायतों के जरिए कुछ अतिरिक्त लाभ दे सकती है।बजट 2026 में सरकार का मुख्य फोकस हेल्थकेयर, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर पर रहने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए टियर-2 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की स्थापना के साथ-साथ प्रिवेंटिव केयर पर निवेश बढ़ाया जा सकता है। वहीं, रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए नई वंदे भारत ट्रेनों, फ्रेट कॉरिडोर और ट्रैक विस्तार पर बड़े आवंटन की संभावना जताई जा रही है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे और सरकारी योजनाओं के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित होगा, जिससे आम जनता और उद्योग जगत दोनों को संतुलित राहत मिल सके।

स्टालिन की केंद्र को सीधी चुनौती, मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ प्रस्ताव पारित

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा पेश किए प्रस्ताव को पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया गया। प्रस्ताव में केंद्र से आग्रह किया गया कि वहां इस योजना में महात्मा गांधी का नाम बनाए रखे और ग्रामीण रोजगार के लिए वास्तविक मांग के आधार पर पर्याप्त और स्थिर निधि आवंटन सुनिश्चित करे। स्टालिन सरकार के प्रस्ताव में योजना के महत्व को महिलाओं, दिव्यांगजनों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए उजागर किया गया, जिन्हें इसके प्रमुख लाभार्थी बताया गया। इसके अलावा, केंद्र सरकार की निधि आवंटन की मनमानी प्रक्रिया की आलोचना कर इस वास्तविक काम की मांग पर आधारित किया जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही, प्रस्ताव में राज्य सरकार के योगदान को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्तावित कदम पर भी आपत्ति जाहिर की गई। इस कदम को राज्य के वित्तीय दबाव और ग्रामीण आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला बताया गया। विधानसभा में इस मुद्दे पर काफी तनावपूर्ण माहौल रहा और प्रस्ताव पारित हुआ। इससे पहले, राज्यपाल आर.एन. रवि ने डीएमके सरकार द्वारा तैयार किए गए पाठ को गलतियों का हवाला देकर पढ़ने से इंकार किया था, इससे विधानसभा में एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सीएम स्टालिन ने राज्यपाल पर संवैधानिक प्रावधानों और विधायी परंपराओं की अवहेलना करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि ऐसी घटनाएं जारी रहीं, तब डीएमके संसद में संवैधानिक संशोधन लाने के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों से परामर्श करेगी।

यूपी समेत कई राज्यों में ठंड के बीच हो सकती है बारिश, आईएमडी ने किया अलर्ट जारी

-जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी जारी, मैदानी इलाकों में चली तेज हवाएं

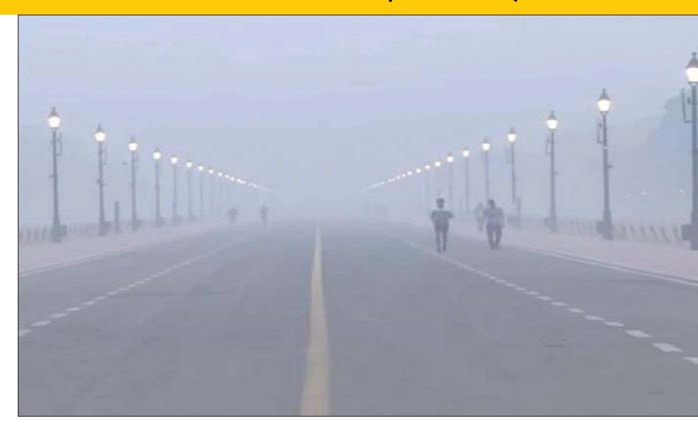

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच कुछ हिस्सों समेत भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार को अलर्ट जारी किया है। वहीं इस सप्ताह उत्तर पश्चिम के राज्य में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है, जिसके चलते ठंड बढ़ सकती हैं। वहीं दिल्ली में भी ठंड की संभावनाएं हैं। इधर, जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी फिर से शुरू हो गई। आईएमडी ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान दो दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं इसके बाद चार दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार हैं।

उत्तर-पश्चिम में मुख्य रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख गिने जाते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 23 जनवरी को हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। ऐसा ही मौसम जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देखा जा सकता है। वहीं, 23 और 24 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। 23 जनवरी को हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और यूपी में तेज हवाएं और गरजन हो सकती है। साथ ही इस दौरान ओलावृष्टि भी दर्ज की जा सकती है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 25 और 26 जनवरी, केरल और माहे में 26 जनवरी को बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में सुबह और रात के समय घना कोहरा छा सकता है। राजस्थान में 24 से 26 जनवरी तक उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 24 जनवरी तक घना कोहरा बने रहने के आसार हैं। 23 जनवरी को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शीत लहर चल सकती है। बता दें गुरुवार को वैष्णो देवी मंदिर क्षेत्र में पहली बर्फबारी दर्ज की गई। इसके चलते त्रिकुटा पहाड़ी पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। कश्मीर घाटी के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग और कुछ अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को बर्फबारी हुई, वहीं श्रीनगर और अन्य मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चलीं।

अधिकारियों के मुताबिक उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में गुरुवार देर शाम से बर्फबारी शुरू हो गई। गुलमर्ग में कुछ इंच बर्फ जमा हो गई है। मौसम विभाग ने कहा था कि घाटी के मैदानी इलाकों समेत व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। शिमला में करीब तीन महीने बाद शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में भी बर्फबारी हो रही है, जिनमें राज्य का एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल मनाली भी शामिल है। स्थानीय मौसम केंद्र ने भारी बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। प्रशासन ने कहा कि चौपाल समेत जिले के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी जारी है, जिसके कारण चौपाल-देहा सड़क पर यातायात बाधित हो गया है।

अपेक्षित सम्मान न मिलने से थरूर नाराज! दिल्ली बैठक से बनाई दूरी

-लिटरेचर फेस्टिवल में गए, यह एशिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस में अंदरुनी कलह थम नहीं रही है। पिछले कुछ मामलों में तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर इसके केंद्र में रहे हैं। सूत्रों की मानें तो शशि थरूर राहुल गांधी से खुश नहीं हैं और वे शुक्रवार को दिल?ली में पार्टी की होने वाली एक अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे। शशि थरूर के ऑफिस की तरफ से इस बाबत बयान जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि शशि थरूर शुक्रवार को दिल्ली में होने वाली केरल कांग्रेस की अहम चुनावी तैयारी बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उनके कार्यालय ने कहा कि वे केरल लिटरेचर फेस्टिवल के लिए कालीकट में हैं, जो एशिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव है। उन्होंने पार्टी को पहले ही सूचित कर दिया था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर और पार्टी नेतृत्व के बीच बढ़ती दूरी एक बार फिर चर्चा में है। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी के हालिया कोच्चि दौरे में उन्हें अपेक्षित सम्मान न मिलने से थरूर नाराज हैं और इस कारण वह शुक्रवार को होने वाली कांग्रेस की अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत केरल इकाई के सीनियर लीडर राज्य में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक शशि थरूर के इस फैसले को पार्टी के अंदर चल रही असहजता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि कोच्चि दौरे के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्हें पर्याप्त मंच नहीं मिला, जिससे वे आहत हैं। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों का कहना है कि थरूर की नाराजगी काफी समय से अंदरखाने सुलग रही थी। दरअसल, बीते कुछ महीनों में थरूर के कुछ बयान और सोशल मीडिया पोस्ट पार्टी नेतृत्व को असहज करने वाले रहे हैं।

बात दें पीएम मोदी और केंद्र सरकार के कुछ कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें कांग्रेस की आधिकारिक लाइन से अलग माना गया। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाइयों पर थरूर की टिप्पणियों को भी पार्टी के भीतर अलग नजरिए के तौर पर देखा गया। इस बीच गुरुवार को थरूर ने पूर्व बीजेपी सांसद और मौजूदा भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ एक सेल्फी साझा की, जिसमें उन्होंने गंभीर के काम की सराहना करते हुए लिखा कि भारत में प्रधानमंत्री के बाद यह दूसरा सबसे कठिन काम है।

बिहार कांग्रेस के छह विधायक पार्टी छोड़ने को तैयार, खड़गे ने दिल्ली में बुलाई आपात बैठक

-दिल्ली-पटना बैठकों के जरिए विधायकों को साधने और पार्टी को टूट से बचाने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार कांग्रेस में बवाल मचा है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब पार्टी के सभी छह विधायक पार्टी छोड़ने को है। पार्टी में टूट की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के ये सभी विधायक सीएम नीतीश कुमार के संपर्क में हैं और जेडीयू में शामिल हो सकते हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई है।

यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर होगी। बैठक में खड़गे के साथ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अलावरु भी बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा बिहार कांग्रेस के सभी विधायक और सांसदों को बैठक में बुलाया गया है।

बता दें नवंबर 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने जबरदस्त जीत हासिल की थी। वहीं विपक्षी महागठबंधन सिर्फ 35 सीटों पर सिमट गया था जिसमें आरजेडी को 25 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ 6 सीटें ही जीत पाई थी। कांग्रेस के जिन छह विधायकों के पार्टी छोड़ने की चर्चा है, उनमें मनीहारी से मनोहर प्रसाद सिंह, वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद, चनपटिया से अभिषेक रंजन, अररिया से अबीदुर रहमान, किशनगंज से मोहम्मद कमरूल होदा और फारबिसगंज से मनोज बिस्वास शामिल हैं। अगर ये सभी विधायक कांग्रेस छोड़ते हैं तो पार्टी बिहार विधानसभा में शून्य हो जाएगी। पार्टी के अंदर असंतोष के संकेत पिछले कई हफ्तों से नजर आ रहे थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सभी छह विधायक पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। पटना के सदाकत आश्रम में आयोजित पारंपरिक 'दही-चूड़ा' समारोह में भी कोई विधायक शामिल नहीं हुआ। इसके अलावा 8 जनवरी को राज्य कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम द्वारा बुलाई गई 'मनरेगा बचाओ' अभियान की बैठक में भी दो विधायक-सुरेंद्र प्रसाद और अभिषेक रंजन गैरहाजिर रहे।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि अभिषेक रंजन पिछले कुछ समय से करीब सभी कार्यक्रमों से नदारद रहे हैं। इससे यह संकेत और मजबूत हो गया है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी की दिल्ली बैठक और पटना में होने वाली बैठक पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इन बैठकों में विधायकों को साधने और पार्टी को टूट से बचाने की कोशिश की जाएगी। अगर कांग्रेस नेतृत्व स्थिति संभालने में नाकाम रहा, तो बिहार की राजनीति में एक बड़ा सियासी उलटफेर हो सकता है।

पंजाब कांग्रेस में मची खींचतान के बीच शीर्ष नेतृत्व ने चेताया, कहा- सार्वजनिक बयानबाजी की तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व ने साफ़ कर दिया कि पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। साथ ही पार्टी ने नेताओं को सख्त हिदायत दी है कि संगठन से जुड़े किसी भी मुद्दे पर सार्वजनिक मंचों, मीडिया या सोशल मीडिया में बयान न दें। ऐसे सभी विषय केवल पार्टी के आंतरिक मंचों और उच्च नेतृत्व के समक्ष ही रखे जाएं। उल्लेखनीय है प्रदेश के नेताओं के बीच मची खींचतान से शीर्ष नेतृत्व इस बार तुरंत अलर्ट हुआ। प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने आलाकमान से दखल की अपील की। लिहाजा, राज्य के बड़े नेताओं को दिल्ली तलब कर लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पंजाब प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। पंजाब से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा के.पी. सिंह, विजय इंदर सिंगला और डॉ. अमर सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में पंजाब के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि बैठक बेहद सकारात्मक और उपयोगी रही, जिसमें पार्टी को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

नेतृत्व परिवर्तन से जुड़े सवाल पर वेणुगोपाल ने दो टूक कहा कि पंजाब में नेतृत्व बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी नेतृत्व पूरी तरह एकजुट है और संगठन को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अनुशासन पर ज़ोर देते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी नेता पार्टी के आंतरिक मामलों पर मीडिया या सोशल मीडिया में बयान जारी नहीं करेगा। ऐसे सभी मुद्दे केवल पार्टी के मंचों पर ही उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंजाब के करीब 30 नेताओं द्वारा हाईकमान से मिलने का समय मांगे जाने के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि व्यक्तिगत हैसियत में कोई भी नेता हाईकमान के किसी भी सदस्य से मिलने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाज़ी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। दलितों और वंचित वर्गों को प्रतिनिधित्व दिए जाने के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के सभी वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को देशभर में उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने भी बैठक को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि चर्चा करीब तीन घंटे तक चली और इसमें राज्य की राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम जनभावना यह है कि लोग कांग्रेस को दोबारा सत्ता में देखना चाहते हैं। बघेल ने भी दोहराया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाज़ी या अनुशासनहीनता को सख्ती से रोका जाएगा।

रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गिरोह का सदस्य लोनी से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गिरोह के सदस्य हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी विकास उर्फ विक्की को लोनी से गिरफ्तार किया है। इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह चाणक्यपुरी थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में वांछित था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के मुताबिक,

विकास रोहित गोदारा–गोल्डी बराड़ गिरोह का सक्रिय सदस्य था और गिरोह के लिए अहम लॉजिस्टिक भूमिका निभाता था। उसे घोषित अपराधी करार दिया जा चुका था और वह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित चार राज्यों में कम से कम 18 आपराधिक मामलों में कथित रूप से संलिप्त है। साल 2023 में विकास ने गुरुग्राम में एक किराए के फ्लैट में गिरोह के करीब 10 सदस्यों के ठहरने की व्यवस्था की थी। आरोप है कि इसी फ्लैट में प्रतिद्वंद्वी कौशल गिरोह के नेता कौशल चौधरी की अदालत परिसर के भीतर हत्या की साजिश रची गई थी। तब पुलिस ने फ्लैट से गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया था और विकास मौके से फरार हो गया था। इसके बाद हरियाणा एसटीएफ ने उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। करीब छह महीने बाद विकास को हरियाणा पुलिस ने हिसार से गिरफ्तार किया था, लेकिन रिहा होने के बाद वह दोबारा भूमिगत हो गया। विकास ने खुलासा किया है कि साल 2021 में जयपुर जेल में बंद रहने के दौरान कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के संपर्क में आया। बाद में लॉरेंस बिश्नोई गुट और रोहित गोदारा–गोल्डी बराड़ गिरोह के बीच मतभेद होने पर विकास ने पाला बदल लिया और दूसरे गिरोह का सक्रिय सदस्य बन गया।

टेलीकॉम अधिकारी बनकर बुजुर्ग दंपति से उड़ाए 14.85 करोड़, फोन पर गिरफ्तारी का डर दिखाकर फंसाया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। जालसाजों ने टेलीकॉम अधिकारी बनकर ग्रेटर कैलाश–1 के एनआरआई बुजुर्ग डाक्टर दंपति से 14.85 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस अधिकारी बताकर लगातार फोन व वीडियो कॉल किए, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया और गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद पैसे की डिमांड की। डर के मारे दंपति ने बात मान ली और बड़ी रकम ट्रांसफर कर दी। साइबर जालसाजों ने एनआरआई डा. इंदिरा तनेजा को इतना डरा दिया कि वह किसी को कुछ कह नहीं पाई। डिजिटल अरेस्टिंग के दौरान साइबर जालसाजों के कहने पर जब वह पीड़िता उनके पैसे ट्रांसफर करने बैंक गई तो बैंक मैनेजर समेत अन्य बैंक कर्मियों को इतनी बड़ी रकम ट्रांसफर करने पर संदेह हुआ। उन्होंने डॉक्टर तनेजा से रकम ट्रांसफर करने को लेकर बहुत पूछा, मगर उन्होंने बैंक कर्मियों को वहीं बताया जो उन्हें जालसाजों ने बताया था। पीड़िता इंदिरा तनेजा ने बताया कि 24 दिसंबर को दोपहर में उन्हें एक फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके मोबाइल नंबर से आपत्तिजनक कॉल किए गए हैं और कई शिकायतें मिली हैं, इसलिए नंबर बंद किया जाएगा। इसके बाद कॉल करने वाले ने उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया और कहा कि उनके खिलाफ महाराष्ट्र में प्राथमिकी दर्ज हैं और गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं। कॉल को एक वीडियो कॉल में बदला दी, सामने व्यक्ति पुलिस की वर्दी में दिखा। उसने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके नाम से केनरा बैंक में खाता खुला है, जिसका इस्तेमाल बड़े स्तर की धोखाधड़ी में हुआ है। ये मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। जालसाजों ने कहा कि यदि उन्होंने तुरंत सहयोग नहीं किया तो उन्हें और उनके परिवार को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पीड़िता ने ठगों से कहा कि उनके पति एम्स में

सर्जरी के बाद रिकवरी में हैं। उनकी मदद करने वाला कोई नहीं है। इसके बावजूद ठगों ने कोई रहम नहीं दिखाया। वह लगातार कॉल और वीडियो कॉल के जरिए दबाव बनाते रहे। उन्हें कहा गया कि जांच के दौरान वे किसी से बात नहीं कर सकते और न ही पुलिस स्टेशन जा सकते हैं। यह सब डिजिटल अरेस्ट की प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया। ठगों ने भरोसा दिलाने के लिए फर्जी दस्तावेज, पुलिस जैसी भाषा और डराने वाले आरोपों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अगर दंपति अपनी बेगुनाही साबित करना चाहते हैं तो उन्हें बताए गए खातों में पैसे ट्रांसफर करने होंगे, ताकि जांच पूरी की जा सके। डर और मानसिक तनाव में आकर दंपति ने अलग–अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 14.85 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। दरअसल डॉक्टर ओम तनेजा और उनकी पत्नी डॉक्टर इंदिरा तनेजा तकरीबन 48 साल तक अमेरिका में रहकर यूएन में सर्विस की और रिटायर होने के बाद साल 2015 में वापस भारत आ गए। 2015 से डॉक्टर दंपति चैरिटेबल सर्विस से जुड़ गए थे। डिजिटल अरेस्ट के दौरान आठ अलग–अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए। डॉक्टर इंदिरा तनेजा के द्वारा यह पैसा ट्रांसफर किया गया। डॉक्टर इंदिरा तनेजा के मुताबिक साइबर ठगों ने कभी दो करोड रुपए तो कभी 2 करोड़ 10 लाख रुपए इसी तरह से अलग–अलग अमाउंट ट्रांसफर करने को कहा। आईएफएसआई के पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम का एक गंभीर हिस्सा है। ठग खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं। वे मनी लॉन्ड्रिंग, फर्जी खातों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर आरोप लगाते हैं, ताकि पीड़ित घबरा जाए और बिना सोचे–समझे पैसे ट्रांसफर कर दे। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी की धमकी नहीं देती और न ही जांच के नाम पर पैसे मांगती है। अगर किसी को इस तरह का कॉल आए, तो तुरंत कॉल काटें, नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत करें और अपने परिवार या बैंक को जानकारी दें। आरएमएल अस्पताल के मनोचित्सिक लोकेश शेखावत ने कहा है कि डर व घबराहट में निर्णय लेने की क्षमता खत्म हो जाती है। लोग जल्दबाजी में सोच नहीं पाते कि क्या करना है। जालसाज पीड़ित को जल्दबाजी में रखते हैं और दिमाग में इतनी सूचनाएं व सवाल डाल देते हैं कि पीड़ित का दिमाग थम जाता है। ऐसी स्थिति में बिना घबराए निर्णय लेना चाहिए।

इस माह के अंत तक पेश किया जा सकता है ईवी पॉलिसी का ड्राफ्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी 2.0 इसी महीने के आखिर तक आ सकती है। नई पॉलिसी में इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी बढ़ेगी, दिल्ली में ही ईवी बनाए जाएंगे और साथ ही सरकार बिजली ढांचे को भी मजबूत करेगी। पॉलिसी के ड्राफ्ट में दोपहिया ईवी पर खास फोकस रखा है। हरएक दोपहिया ईवी पर 21 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी, जबकि महिला खरीदारों को 30 हजार रुपये तक की सहायता मिल सकती है। दिल्ली में दोपहिया ईवी की संख्या पांच लाख से बढ़ाकर अगले तीन साल में 12 लाख करने का प्रस्ताव है। चारपहिया ईवी पर भी सरकार फिर से सब्सिडी देने की तैयारी कर रही है। ड्राफ्ट के मुताबिक, 25 लाख रुपये से कम कीमत वाली निजी इलेक्ट्रिक कारें सब्सिडी के दायरे में आएंगी। पहली 27 हजार कारों पर प्रति किलोवाट 10 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा एक लाख रुपये प्रति वाहन होगी। अधिकारियों का कहना है कि इसका मकसद लग्जरी कारों के बजाय आम लोगों को ईवी की ओर लाना है। वहीं वाहनों को हटाने पर भी जोर दिया गया है। दोपहिया, तिपहिया और हल्के माल वाहक वाहनों को स्क्रैप कर इलेक्ट्रिक विकल्प अपनाने

पहली बार, पुरानी पेट्रोल या डीजल कारों को इलेक्ट्रिक में बदलने (रेट्रोफिटिंग) पर भी सब्सिडी का प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत पहले एक हजार वाहनों पर 50 हजार रुपये प्रति वाहन की सहायता दी जाएगी। ड्राफ्ट पॉलिसी में पुराने प्रदूषणकारी वालों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की योजना है। वहीं, ईवी की ऊंची शुरुआती लागत को कम करने के लिए 5 फीसदी ब्याज सब्सिडी वाली इंट्रेस्ट सबवेंशन स्कीम का प्रस्ताव किया गया है। ड्राफ्ट में स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बैटरी, चार्जर और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम जैसे ईवी कंपोनेंट्स के घरेलू उत्पादन पर वित्तीय प्रोत्साहन देने की सिफारिश भी की गई है। इसके साथ ही, अनुसंधान एवं विकास फंड को मौजूदा 5 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ते ईवी उपयोग से बिजली की मांग को देखते हुए, ड्राफ्ट में 2030 तक 2.5 गीगावाट प्रति घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) क्षमता जोड़ने की तैयारी है।

मेवाड़ राजपरिवार का संपत्ति विवाद पहुंचा दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। उदयपुर के पूर्व मेवाड़ राजपरिवार का संपत्ति विवाद अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। दिवंगत अरविंद सिंह मेवाड़ की स्व–अर्जित संपत्तियों के बंटवारे को लेकर उनके बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और बेटी पद्मजा कुमारी परमार के बीच कानूनी जंग तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में राजस्थान हाईकोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट में लंबित सभी संबंधित मामलों को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने का आदेश दिया था, ताकि एक ही जगह पर सुनवाई हो सके। इस विवाद में मुख्य रूप से अरविंद सिंह मेवाड़ की फरवरी 2025 में बनाई गई वसीयत शामिल है, जिसमें उन्होंने अपनी सभी स्व–अर्जित संपत्तियां बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को सौंपी थी। अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन 16 मार्च 2025 को हुआ था। वसीयत के अनुसार लक्ष्यराज सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में प्रशासन पत्र की मांग की, जबकि उनकी बहन पद्मजा कुमारी परमार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में वसीयत की वैधता को चुनौती दी। कुछ रिपोर्टों में बहनों ने पिता की मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य पर सवाल उठाए हैं, जिसे लक्ष्यराज सिंह ने खारिज करते हुए अपमानजनक बताया है। दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति सुब्रह्मण्यम प्रसाद की पीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के वकील को दिल्ली हाईकोर्ट के नियमों के अनुसार नया पार्टीज का मेमो दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को निर्धारित की गई है।

एक दिन के बेसहारा नवजात की डॉक्टरों ने बचाई जान

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक दिन के बेसहारा नवजात की जान बचाई है। हाइपोथर्मिया से पीड़ित बच्चे को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया था। बच्चे के शरीर का तापमान इतना कम था कि दिल, फेफड़े और दिमाग की गति धीमी थी। आंखों की पुतलियां स्थिर और खुली हुई थी। सांस नहीं चल रही थी और त्वचा पीली पड़ गई थी। यह नवजात दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके के एक पार्क में बेसहारा और मरणासन्न हालत में आरडब्ल्यूए सदस्यों को मिला था। सदस्यों ने नवजात को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने ही नवजात को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल की इमरजेंसी और नियोनेटल विभाग की टीम के डॉ. रघुराम मल्लैया और डॉ. विशाल गुप्ता के नेतृत्व में बच्चे का इलाज किया गया। डॉ. रघुराम मल्लैया ने कहा कि जब बच्चे को अस्पताल लाया गया तो उसकी हार्टबीट नहीं थी। यह नियति के खिलाफ एक दौड़ थी। टीम के लगातार समन्वित प्रयासों के बाद उसे बचा पाए। नवजात को सांस लेने के लिए इंट्यूबेट किया। नवजात को ऑक्सीजन सपोर्ट और होश में लाने के लिए दो बार सीपीआर दिया। चिकित्सकों की टीम ने उसे आईवी फ्लूइड और खून भी चढ़ाया। इंटेंसिव केयर के कुछ ही घंटों में नवजात बच्चे की हालत स्थिर हो गई। नवजात अब स्वस्थ, स्थिर है।

NAME CHANGE

I, PRASHANT SHARMA, R/O Kush-305, Agarsen Awas, I.P Extension, East Delhi, Delhi, 110092,Have changed the name of my minor Son Ansh Sharma aged 14 years and shall hereafter be known as EKANSH SHARMA, for all future purposes. It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री ताहिर, पुत्र श्री वहीद, 132.78 वर्ग गज (110.36 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल के एक भू–खण्ड के स्वामी हैं, जो खसरा संख्या 2110 में स्थित है तथा कस्बा परीक्षितगढ़, परगना किठौर, तहसील मवाना, जनपद मेरठ, उत्तर प्रदेश में स्थित है। श्री ताहिर ने उक्त संपत्ति श्रीमती शाहीन से विक्रय विलेख दिनांक 08.08.2019 के माध्यम से क्रय की, जो दस्तावेज संख्या 10583 के रूप में पंजीकृत है। श्रीमती शाहीन ने उक्त संपत्ति श्रीमती प्रेमवती से विक्रय विलेख दिनांक 16.04.2015 द्वारा क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 5505 के अंतर्गत पंजीकृत है। श्रीमती प्रेमवती ने उक्त संपत्ति श्री नरेश कुमार से विक्रय विलेख दिनांक 23.02.2012 द्वारा क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 2126 के रूप में पंजीकृत है। कृपया अवगत कराना है कि मूल चेन दस्तावेज, अर्थात विक्रय विलेख दिनांक 23.02.2012, जो उप–पंजीयक, मवाना कार्यालय में बही संख्या 1, जिल्द संख्या 3233, पृष्ठ संख्या 171 से 186, क्रम संख्या 2126 में पंजीकृत था, गुम हो गया है। अत: उक्त संपत्ति के संबंध में मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में दिनांक 20.06.2022 को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक, मेरठ शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, TRIPTI DUBEY W/o RAJAT PANDEY R/o FLAT NO 5, C 14, NANGAL DEWAT SECT-D, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070, have changed my name from TRIPTI DUBEY to TRIPTI PANDEY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KOMALAVALLY K mother of No-2613529H Rank-CHM Name-UNNI KRISHNAN K residing at HOUSE-KADANKOTT, VPO-KADANNAPPALLY, DIST-KANNUR, KERALA-670504, have changed my name from KOMALAVALLY K to KOMALAVALLI K for all future purposes vide Affidavit dated 23/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JYOTI wife of JC-442640Y Rank-NB SUB Name-ASHOK GURAV residing at VPO-HEBBAL, TEHSIL-KHANAPUR, TEHSIL-BELAGAVI, DIST-KARNATAKA-591120, have changed my name from JYOTI to JYOTI ASHOK GURAV for all future purposes vide Affidavit dated 23/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442640Y Rank-NB SUB Name-ASHOK GURAV residing at VPO-HEBBAL, TEHSIL-KHANAPUR, TEHSIL-BELAGAVI, DIST-KARNATAKA-591120, have changed my minor son's name from SANKALP to SANKALP ASHOK GURAV for all future purposes vide affidavit dated 23/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442640Y Rank-NB SUB Name-ASHOK GURAV residing at VPO-HEBBAL, TEHSIL-KHANAPUR, TEHSIL-BELAGAVI, DIST-KARNATAKA-591120, have changed my minor daughter's name from SRAWANI to SHRAVANI ASHOK GURAV for all future purposes vide affidavit dated 23/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MD HASIBU RAHMAN S/O MOHD ISA R/O N-159, JAMIA NAGAR, ABDUL FAZAL ENCLAVE-1, DELHI-110025. have changed my name to MD HASIBUR RAHMAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Vikash Surana R/o A-123, 3rd Floor, Back Side, Sharda Puri, Ramesh Nagar, Delhi-110015, have changed my minor son name from Hitansh to Hitansh Surana for all future purposes.

NAME CHANGE

I Bansi Lal S/O Ram Pher, 63,sainik enclave ,sector-3, Mohan garden ,West Delhi, Delhi, 110059 have changed my name to Bansi Lal Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SADAB S/o Z UL HASSAN R/o B-1/390-91, NEW KONDLI, MAYUR VIHAR PHASE-III EAST DELHI-110096 I HAVE CHANGED MY NAME SADAB HASAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I Shikha Sahu W/o Nitin Kumar Sahu R/o 141/66, Jangali Ganj, Aminabad Park S.O, Lucknow, Uttar Pradesh - 226018, have changed my name to Soni Sahu

NAME CHANGE

I, G NAGAMAL Mother of JC-291187M Rank-NB/SUB (OPR) Name-SIVA KUMAR G residing at NO-1286, PALAIYAPETTAI, PO-PACHUR, THIRUPPATHUR, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-635854, have changed my name from G NAGAMAL to NAGAMMAL for all future purposes vide Affidavit dated 23/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, C GULLI father of JC-291187M Rank-NB/SUB (OPR) Name-SIVA KUMAR G residing at NO-1286, PALAIYAPETTAI, PO-PACHUR, THIRUPPATHUR, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-635854, have changed my name from C GULLI to GULLI CHENNAPPAN for all future purposes vide Affidavit Dated 23/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I AJAY S/O SURESH SINGH R/O H NO-89, KHODU MOHALLA, LUHARI JHAJJAR, HARYANA-124108 have changed my name to AJAY SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, HANEEFE W/O AKHTAR ALI R/O HOUSE NO. 3757-C, GALI AKHADE WALI, CHURIWALAN, JAMA MASJID, DELHI- 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM HANIFE AND HANIFA TO HANEEFE FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, SHAHANA PARVEEN W/O MOHAMMAD ARIF R/O HOUSE NO. 266/102, NAYI BASTI, BHADEWAN, AISHBAGH, LUCKNOW, UTTTAR PRADESH-226004, HAVE CHANGED MY NAME FORM SHAHAANA PARVEEN, SHAHARA PARVEEN , SHAHANA AND SAHNA TO SHAHANA PARVEEN.

NAME CHANGE

I Bansi Lal S/O Ram Pher, 63,sainik enclave ,sector-3, Mohan garden ,West Delhi, Delhi, 110059 have changed my name to Bansi Lal Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE

I Punnet Arora S/O Banarsi Lal Arora, R/o BHAGAT SINGH ROAD, D-15,, ADARSH NAGAR, North West Delhi, Delhi 110033 have changed my name to Puneet Arora for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Idrish S/o Immamuddin Khan R/o H.no 1651, Gali no 17B, Krishna Kunj, Naya Gaon, bhondsi (168), Gurgaon, Haryana -122102 , India, have changed my name to Idrish Khan.

NAME CHANGE

I,MANOJ KUMAR GABA S/O SUDESH KUMAR GABA R/O HOUSE NO-1542,,SECTOR-17,GURGAON,HARYANA-122017,HAVE CHANGED MY NAME TO MANOJ GABA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NO-14846399Y Rank-HAV/MT Name- SURJEET residing at VILL-PARTA, TAHSIL-TOHANA, DIST-FATEHABAD, HARYANA-125120, have changed my minor daughter's name from MISSDIVYA BISHNOI to DIVYA BISHNOI for all future purposes vide affidavit dated 23/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-4581477N Rank-HAV Name-PAHURKAR JITENDRA DNYANDEO residing at VILL-TIVHAN KHURD, PO-ALASANA, TEHSIL-SHEGAON, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-444203, in my service record my mother's (KAMINA BAI) date of birth wrongly mentioned as 15/04/1959 instead of her correct date of birth as 01/01/1957 vide affidavit dated 23/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I MUBEEN AHMED S/O GUL DEEN R/O H NO-105, WARD NO-03, JATIA MOHALLA, NUH NUH, MEWAT, HARYANA-122107 have changed my name to MUBIN AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DHARAM PAL S/O RATTAN SINGH R/O 120, CARTARPURI ALLAS DAULATPUR NASIRABAD GURGOAN,HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO DHARAM PAL YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SUTAR ANITA MAHIDATI, is legally mother of Army No. 2821385K, Rank – Sep, Name – SUTAR SHASHIKANT MAHIPATI, At – Chinchewadi, Post – Panumbre Turf Warun, Teh – Shirala, Dist – Sangli, State – Maharashtra, Pin – 415405, have changed my name from SUTAR ANITA MAHIDATI to ANITA MAHIPATI SUTAR and date of birth from 01/07/1977 to 01/01/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/01/2026 before Public Notary Delhi

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as MD. SAYEED AHMAD alias MOHD SAYEED AHMAD S/o MOHAMMAD ADIL R/o G-49, MURADI ROAD, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD SAYEED AHMAD further, the name of my father has been wrongly written as MOHD ADIL in voter id (NWD1878776) the actual name of my father MOHAMMAD ADIL.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as JANNAT BI alias DARAKHSHA D/O MOHD AFTAB W/O SHAKEEL AHMAD R/O E-53, QUTUB MANZIL, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE-2, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as DARAKHSHA, further, the name of my mother has been wrongly written as AZRA BI in my Birth Certificate (Regn. No. MCDOLIR-0126-1080114710828) the actual name of my mother is UZRA BI.

NAME CHANGE

I, MAHIPATI BABURAO SUTAR, is legally father of Army No. 2821385K, Rank – Sep, Name – SUTAR SHASHIKANT MAHIPATI, At – Chinchewadi, Post – Panumbre Turf Warun, Teh – Shirala, Dist – Sangli, State – Maharashtra, Pin – 415405, have changed my name from MAHIPATI BABURAO SUTAR to MAHIPATI BABURAV SUTAR and my date of birth from 01/07/1969 to 01/01/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SANGITA, is legally mother of Army No. 2814272Y, Rank – Hav, Name – BHONG SACHIN MAHADU, Unit – 5 MARATHA LI At/Post – Hiradgaon, Teh – Shrigonda, Dist – Ahmednagar (Ahilyanagar), State – Maharashtra, Pin – 423701, have changed my name from SANGITA to SANGITA MAHADU BHONG and date of birth from 27/02/1971 to 03/05/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MANGALABAI, is legally mother of Army No. 2821813X, Rank – Sep, Name – GAYAKWAD AKSHAY ANIL, At – Nimboli, Post – Bhalegaon, Teh – Malkapur, Dist – Buldana, State – Maharashtra, Pin – 443001, have changed my name from MANGALABAI to MANGALABAI ANIL GAYAKWAD for all future purposes. Vide affidavit dated 23/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VIMAL, is legally mother of Army No. 2808800F, Rank – Hav, Name – PURKAR NAVNATH JANARDHAN, At – Dhondgavhan, Post – Dhondgavhan, Teh – Chandwad, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422209, have changed my name from VIMAL to VIMAL JANARDHAN PURKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 23/01/2026 before Public Notary Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अजय कुमार** पुत्र राज कुमार निवासी मकान नंबर 262, गली नं. 3, हर्ष विहार–2, भोपुरा, संडे बाजार चौक, साहिबाबाद, (उत्तर प्रदेश) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 292/18 धारा 363 भा.द.स., थाना निहाल विहार, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अजय कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अजय कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 292/18 धारा 363 भा. द.स., थाना निहाल विहार, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **अजय कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.02.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री कोमल गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03 (केन्द्रीय)
कमरा नं. 292,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/976/OD/2026

PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF ACCUSED PERSON

See Section 82 Cr.P.C.

Whereas complaint has been made before me that the accused person Namely **Aamir@Lafandar S/o** Karimuddin **R/o** F-168, Murasi Wali Gali Gande Nale Ke Pas, Shahid Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, U.P has committed (or is suspected to have committed) the offence in Case **FIR No. 516/2023 U/s 25/54/59 ARMS Act PS: Shakarpur, Delhi** and it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the said accused **Aamir@Lafandar** cannot be found and whereas it has been shown to my satisfaction that the said accused **Aamir@Lafandar** has absconded (or is concealing himself to avoid the service of the said warrant).

Proclamation is hereby made that the said **Aamir@Lafandar** accused of **FIR No. 516/2023 U/s 25/54/59 ARMS Act PS: Shakarpur, Delhi** is required to appear before this Court to answer the said complaint on or before **30.03.2026.**

By Order
Sh. P. Bhargav Rao
JMFC-05, Room No. 03
Karkardooma Court, Delhi

DP/963/ED/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फराज़ पुत्र** असलम **निवासः** म.नं. 254, गली नं. 07, लक्ष्मी गार्डन, इंदिरापुरी, लोनी, गाजियाबाद, यू. पी. ने **FIR No. 0161/19 U/s 379 IPC., थानाः अशोक विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फराज़** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फराज़** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 0161/19 U/s 379 IPC., थानाः अशोक विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फराज़** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
उपासना सतीजा
सीजेएम (नॉर्थ वेस्ट), कमरा नं. 108
पहला तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/986/NW/2026
(Court Notice)

सीएसआईआर भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान
विषविज्ञान भवन, 31 महात्मा गाधी मार्ग, पोस्ट बॉक्स न. 80, लखनऊ-226001
CSIR-Indian Institute of Toxicology Research
Vishvigyan Bhavan, 31 Mahatma Gandhi Marg, Post Box No.80, Lucknow-226001

IITR

विज्ञापन संख्या: IITR/1/2026

ऑनलाइन आवेदन जमा करने हेतु प्रारंभ तिथि एवं समय : 20/01/2026 प्रातः 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 19/02/2026 सायं 05:00 बजे

भारतीय नागरिकों हेतु सुनहरा अवसर

सीएसआईआर- भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईटीआर) लखनऊ, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली की एक घटक प्रयोगशाला है। सीएसआईआर, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है। सीएसआईआर-आईआईटीआर एक बहुविषयक अनुसंधान संस्थान है। इसका आदर्श वाक्य : "पर्यावरण एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा उद्योग की सेवा" है। संस्थान मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान प्रदान करता है।

निम्नलिखित सूचना के अनुसार, मल्टी-टास्किंग स्टाफ के कुल 03 पदों एवं चालक(ड्राइवर) के 03 पदों हेतु भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं: -

पोस्ट कोड	पद का नाम, कुल पदों की संख्या एवं आरक्षण	सातवें पे मैट्रिक्स में पे-लेवल	*कुल परिलब्धियाँ	अनिवार्य योग्यता	**ऊपरी आयु सीमा (आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को)
एम 01	**मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)** (नॉन टेक ग्रुप 'सी') 03 (तीन), यूआर – 02, ओबीसी – 01	लेवल- 1 (रु.18,000-56,900)	लगभग ₹ 34,200/- प्रति माह	मैट्रिकुलेशन या समकक्ष उत्तीर्ण	**25 वर्ष** (आयु सीमा में छूट : वर्तमान नियमों के अनुसार)
डी02	**चालक (ड्राइवर)** (ग्रुप 'सी') 03 (तीन), यूआर – 01, ईडबल्यूएस – 01, एससी – 01	लेवल 2 (रु.19,900 - 63,200)	लगभग ₹ 37,600/- प्रति माह	(i) LMV एवं HMV चलाने हेतु वैध ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) होना चाहिए। (ii) मोटर मैकेनिज्म का ज्ञान (अभ्यर्थी को वाहन में छोटी-मोटी खराबी दूर करने में सक्षम होना चाहिए); (iii) कम से कम 3 वर्ष तक मोटर कार चलाने का अनुभव; एवं (iv) दसवीं कक्षा उत्तीर्ण हो	**27 वर्ष** (आयु सीमा में छूट : वर्तमान नियमों के अनुसार)

*कुल परिलब्धियों का अर्थ यह है कि न्यूनतम स्केल पर प्रतिमाह प्राप्त होने वाली लगभग कुल परिलब्धियाँ, जिसमें हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए), ट्रांसपोर्ट अलाउंस सम्मिलित है, जो कि नियमानुसार 'Y' श्रेणी के शहर में मिलता है।

**अलग-अलग कैटेगरी के अभ्यर्थी को आयु में प्राप्त छूट हेतु कृपया छूट खंड (रिलैक्सेशन क्लॉज़) देखें।

संक्षिप्त शब्दों का अर्थ रूप: **यूआर-** अनारक्षित , **एससी** – अनुसूचित जाति, **ओबीसी** – अन्य पिछड़ा वर्ग, **ईडबल्यूएस** – आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ।

विस्तृत जानकारी के लिए, क्यूआर कोड स्कैन करें या संस्थान की वेबसाइट https://iitr.res.in/ **पर जाएं।**

Sd/-
प्रशासनिक अधिकारी

advt. No.IITR/1/2026

cbc 36223/12/0001/2526

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस कांस्टेबल की भर्ती में तीन साल की छूट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस कांस्टेबल भर्तियों के लिए युवाओं को तीन साल की छूट प्रदान की है। यह लाभ उन अभ्यर्थियों को मिलेगा जो आयु अधिक होने के कारण अभी तक आवेदन नहीं कर पा रहे थे। हरियाणा पुलिस में पुरुष कांस्टेबल के 4500, महिला कांस्टेबल के 600 और जीआरपी में कांस्टेबल के 400 पदों की भर्ती के लिए 11 जनवरी को आनलाइन आवेदन शुरू हुए थे, जो 25 जनवरी की रात 12 बजे तक चलेंगे। अब तक एक लाख 90 हजार से अधिक युवा आवेदन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में युवा अधिकतम आयु सीमा में छूट की मांग कर रहे थे। इनका तर्क था कि वर्ष 2022 के बाद तीन साल तक सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) नहीं हो सकी, जबकि यह हर साल होनी थी। उन्होंने वर्ष 2022 और 2023 में निकली पुलिस कांस्टेबल की भर्ती के लिए आवेदन किया था, मगर किन्हीं कारणों से यह भर्तियां रद कर दी गईं। ऐसे में वह तीन साल तक सीईटी में शामिल नहीं हो पाए और अब ओवर एज हो गए हैं। पिछले साल आयोजित सीईटी में सफल होने के बावजूद उन्हें पुलिस भर्ती में शामिल होने का मौका नहीं मिल रहा। अभ्यर्थियों ने दलील दी कि उत्तर प्रदेश में भी भर्तियां रद हुई थी, मगर वहां भी उम्मीदवारों को छूट दी गई है। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएसएससी को अधिकतम आयु सीमा में तीन साल की छूट देने का निर्देश दिया।

दस से अधिक कर्मचारियों वाले निजी प्रतिष्ठानों को देना होगा ईएसआई का लाभ

चंडीगढ़। हरियाणा में दस या इससे अधिक कर्मचारियों वाले निजी प्रतिष्ठानों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) का लाभ अनिवार्य रूप से देना होगा। अभी तक अपने कर्मचारियों का ईएसआइ बीमा नहीं कराने वाले नियोक्ताओं को 31 जनवरी तक का समय दिया गया है। इसके बाद न केवल ऐसे नियोक्ताओं से ब्याज और जुर्माना वसूला जाएगा, बल्कि उन्हें पिछला अंशदान भी देना होगा। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के प्रवक्ता ने गुरुवार को जारी जानकारी में बताया कि उद्योगों और निजी प्रतिष्ठानों में लगे कर्मचारियों और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करने के लिए नियोक्ता और कर्मचारी पंजीकरण प्रोत्साहन योजना (एसपीआरईई) शुरू की थी। इसकी अंतिम समय सीमा 31 दिसंबर 2025 रखी गई थी, जिसे अब 31 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाना है और उद्योगों को मुकदमेबाजी के बोझ से राहत प्रदान करना है। इस योजना के तहत जो उद्योग और कर्मचारी अभी तक ईएसआइसी से संबद्ध नहीं हैं, वे पुराने बकाये की मांग के बिना ईएसआइ पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल और कंपनी मामलों के पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

हरियाणा में तीन निगमों समेत निकायों के लिए ड्रा से हुआ आरक्षण का फैसला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तीन नगर निगमों समेत सात निकायों के लिए ड्रा से आरक्षण का फैसला करके प्रदेश में औपचारिक चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंचकूला स्थित स्थानीय निकाय विभाग के निदेशालय में सभी निकायों के लिए ड्रा निकाला गया। ड्रा प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। ड्रा के लिए आईएएस वीरेंद्र सिंह दहिया की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी ने पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई। वीरेंद्र दहिया ने कहा कि ड्रा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही। ड्रा के अनुसार, पंचकूला व सोनीपत नगर निगम में मेयर का पद ओपन रहेगा। वहीं अंबाला सिटी नगर निगम में मेयर पद बीसी-बी वर्ग की महिला के लिए आरक्षित किया गया है। रेवाड़ी नगर परिषद में अध्यक्ष का पद एससी कैटेगरी की महिला के लिए आरक्षित रहेगा। इसी तरह उकलाना नगर पालिका में अध्यक्ष पद महिला (सामान्य) के लिए आरक्षित रहेगा। सांपला (रोहतक) व धारूहेड़ा (रेवाड़ी) नगर पालिका में अध्यक्ष के पद ओपन रहेंगे। ओपन सीटों पर सामान्य जाति के अलावा किसी भी कैटेगरी के पुरुष व महिलाएं चुनाव लड़ सकेंगी। इन सातों ही शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव के लिए हरियाणा सरकार की ओर से राज्य चुनाव आयोग को अनुमति दी जा चुकी है। फरवरी में बजट सत्र और बोर्ड एग्जाम होने के चलते निकायों के चुनाव मार्च के आखिरी सप्ताह या अप्रैल के पहले पखवाड़े में ही करवाए जाने की प्रबल संभावना है।

यमुनानगर की तीन छात्राएं जाएंगी इसरो

यमुनानगर। यमुनानगर जिले की तीन प्रतिभाशाली बालिकाओं का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अहमदाबाद में आयोजित साइंस एक्सपोज़र भ्रमण के लिए चयन हुआ है, जिसे शिक्षा और बालिका उत्थान के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सब्जी मंडी, यमुनानगर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बाल कल्याण समिति और जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त प्रयास से किया गया, जिसका उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बेटियों को केवल स्नेह और संरक्षण ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता देना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब बेटियां स्वयं पर भरोसा करना सीखती हैं, तभी वे समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थितजनों को प्रभावित किया।

हर घर में योग और संस्कार हों: हरविंद्र कल्याण

हरियाणा विधान सभा में कर्मचारियों व अधिकारियों ने किया सूर्य नमस्कार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हर घर में योग हो, हर घर में योगशाला हो, हर घर में संस्कार हो और हर घर में संस्कारशाला हो, तभी हम सभी मिलकर भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सार्थक योगदान दे सकते हैं। विधान सभा अध्यक्ष नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा विधान सभा में आयोजित राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य के नेतृत्व में आयोग की टीम ने विधान सभा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। इस दौरान खिलाड़ियों द्वारा योगासनों का प्रदर्शन भी किया। मीडिया अधिकारी दिनेश कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करने के साथ-साथ योग का प्रदर्शन किया।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और आत्मा को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान राष्ट्रनायकों का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिनके विचारों से राष्ट्र निर्माण की दिशा मिलती है। इस मौके पर हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि योग का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ.आर्य ने कहा कि योग का यह विशेष अभियान आगामी 30 दिनों तक निरंतर जारी रहेगा, जिसमें 25 लाख से अधिक की सहभागिता रहेगी। अब तक सूर्य नमस्कार की वेबसाइट पर 13 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं।

इस मौके पर योग आयोग की त्रैमासिक पत्रिका 'योगमय हरियाणा' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधान सभा के सलाहकार रामनारायण यादव, हरियाणा योग आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. रोशन लाल, रजिस्ट्रार डॉ. राजकुमार, योग प्रशिक्षक प्रियंका चौधरी, डॉ. जसप्रीत कौर, रमेश भाटी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारिश ने किसानों के चेहरे खिले,गेहूं की फसल के लिए लाभकारी

एजेंसी

जींद। तीन दिन तेज धूप निकलने के बाद जींद तथा आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार अल सुबह बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हुई। इस दौरान तेज हवाएं भी चलीं। शुक्रवार को पूरा दिन रूक-रूक कर तेज बारिश होती रही। इस बारिश ने जहां किसानों के चेहरे पर रोनक ला दी है, वहीं मौसम भी सुहावना बना दिया है। अधिकतम तापमान पांच डिग्री गिर कर 15 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान चार डिग्री गिर कर तीन डिग्री रहा। हवा की गति 19 किलोमीटर प्रति घंटा रही, वहीं मौसम में आद्रता 99 प्रतिशत बनी रही।कृषि विशेषज्ञों के अनुसार शुक्रवार को हुई बारिश किसानों व फसलों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इस बारिश से फसलों में आई छोटी-मोटी बीमारी धुल जाएगी। गौरतलब है कि पिछले तीन दिनों से तापमान 22 डिग्री के आसपास पहुंच रहा था। वहीं न्यूनतम तापमान आठ डिग्री तक पहुंच गया था। जिससे फसलों में बीमारी की संभावना बन गई थी। किसान बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और लोगों को भी ठंड के मौसम में दिन के समय गर्मी का अहसास हो रहा था। शुक्रवार को अल सुबह तेज हवाएं बहने लगीं, बाद में बारिश शुरू हो गई।

पीएनबी के 2,434 करोड़ फ्रॉड मामले में सरकारी कर्मचारियों के लोन खातों का मिलान शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ हुए 2,434 करोड़ रुपये के लोन फ्राड को लेकर हरियाणा सरकार अलर्ट हो गई है। प्रदेश सरकार ने उन सरकारी कर्मचारियों के ऋण खातों के मिलान (रिकांसिलिएशन) की प्रक्रिया शुरू की है, जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक से लोन लिया हुआ है अथवा जिनके ऋण खाते ऋण पोर्टफोलियो के स्थानांतरण के बाद पीएनबी को ट्रांसफर किए गए हैं। राज्य के वित्त विभाग द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। हरियाणा सरकार की ओर से इस मामले में सभी विभागों को सख्ती से कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है कि नोडल अधिकारियों की नियुक्तियां जल्द से जल्दी की जाएं। इस प्रक्रिया की निगरानी एवं समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों या कार्यालयों को मुख्यालय स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने होंगे। यह नोडल अधिकारी अपने विभाग अथवा कार्यालयों के सभी ऋणधारक कर्मचारियों के ऋण खातों के मिलान की प्रक्रिया की देखरेख करेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक विभाग-कार्यालय को जिला स्तर पर भी नोडल अधिकारी नामित करने को कहा गया है। ये अधिकारी विभिन्न जिलों में ऋण खातों के मिलान के साथ-साथ अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत ऋणधारक कर्मचारियों के ऋण मामलों के मिलान का भी समन्वय करेंगे। राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि नामित नोडल अधिकारियों के नाम एवं संपर्क विवरण 27 जनवरी तक वित्त विभाग को ई-मेल पर भेजे जाएं, ताकि ऋण खातों के मिलान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो।

पानीपत लघु सचिवालय में शुरु हुआ डाकघर

एजेंसी

पानीपत। पानीपत लघु सचिवालय परिसर में डाकघर का उद्घाटन विधायक प्रमोद विज़ और पी पंकज कुमार मीना भारतीय डाक सेवाएं प्रवर अधीक्षक करनाल मण्डल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पी पंकज कुमार मीना ने बताया कि लघु सचिवालय में उप डानघर की स्थापना से तहसील एवं कोर्ट परिसर में कार्यरत अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं अधिकारियों की डाक सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध होगा, जिसमे समय की बचत के साथ-साथ कार्यों में भी सुविधा होगी। उन्होंने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि डाकघर अब केवल व्यक्तिगत पत्राचार तक सीमित न रह कर अन्य सुविधाओं जैसे कि बैंकिंग, डाक जीवन बीमा, पासपोर्ट सेवा केंद्र, आधार नामांकन, संशोधन एवं अपडेट की सुविधा भी आम जन को उपलब्ध करा रहा है, जिससे नागरिकों को पासपोर्ट से संबंधित सेवाएं एक ही स्थान पर प्राप्त हो रही है व ग्राहक को अव अंबाला व चंडीगढ़ जाने की जरूरत नहीं रहीं। डाकघर में आधार सेवाएं भी उपलब्ध हैं, जिनके अंतर्गत

आधार नामांकन, संशोधन एवं अपडेट की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि डाकघर के माध्यम से डीएनके डाक निर्यात केंद्र की सेवाएं जिससे विदेशों में आर्टिकल भेजने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तावेज एवं पार्सल भेजना अब और अधिक सरल हो गया है। साथ की डाकघर बचत खाते से संबंधित समस्त सेवाएं जैसे खाता खोलना, जमा निकासी एवं अन्य वित्तीय सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही डाक आर्टिकल बुकिंग पर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी प्रदान की जा रही है, जिससे ग्राहकों को नकद भुगतान की आवश्यकता नहीं रहेगी। प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक होगी व स्पीड पोस्ट, पंजीकृत टाक, पार्सल, विदेश पार्सल, डाक जीवन बीमा एवं अन्य डाक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी । इस अवसर पर विधायक प्रमोद विज ने डाक विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह उप वाकघर क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत उपयोगी निद्ध होगा तथा सरकारी सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाएगा।

जिला बार एशोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र दून ने बताया कि इस डाकघर के सचिवालय में खुल जाने से वकीलों को बहुत फायदा होगा। वकील अपने पत्रो को भेजने के अलावा डाक विभाग की अन्य सेवाएं भी ले सकेंगे। इस समारोह में डाक विभाग के अधिकारी राजेश कुमार सहायक अधीक्षक डाकघर , श्री संदीप कुमार एवं कर्मचारीगण सहित मणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आधुनिकता की ओर बढ़ते हुए सांस्कृतिक विरासत को नहीं चाहिए भूलना:महिपाल ढांडा

एजेंसी

रोहतक। दादा लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय में सांग समागम समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने बतौर मुख्यअतिथि शिरक्त की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अमित आर्य ने की। अतिथिगणों ने द्वीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सांग समागम हरियाणा की उस मिट्टी से जुड़ी कलात्मक अभिव्यक्ति को स्वर देता है, जो हमारी पहचान का मूल है। आज के युवाओं को आधुनिकता की ओर बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत की सुगंध नहीं भूलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पहल हरियाणा की सांग परंपरा के पुनर्जीवन, पहचान और पुनर्निर्माण की दिशा में एक निर्णायक

कदम मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा कि सांग अतीत की कोई धरोहर मात्र नहीं, बल्कि हरियाणा की सामाजिक स्मृति, साहस, हास्य और विवेक को वहन करने वाली एक जीवंत परंपरा है। ऐसे समय में जब यह कला-रूप क्षरण की ओर बढ़ रहा है, सांग समागम हमारा सामूहिक संकल्प है कि इन स्वरूपों को फिर से सुना जाए, समझा जाए और मंच पर जिया जाए।

उन्होंने कहा कि डीएलसी सुपवा सांस्कृतिक पुनर्जागरण को एक सक्रिय शैक्षणिक मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें छात्रों की केंद्रीय भूमिका है।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने हरियाणा के महान सांग प्रतीकों शहीद फौजी मेहर सिंह, पंडित मांगे राम, प्रदीप राय निंदाना, पंडित विष्णु दत्त जी और सूर्य कवि बाजे भगत जी के परिवारजनों और सहयोगियों को सांग परंपरा में उनके कालजयी योगदान के लिए सम्मानित भी किया। इस अवसर पर हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त अमरजीत सिंह, एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, एनसीज़ेडसीसी के सदस्य अजय गुप्ता, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, सीबीएलयू भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धामानी, आईजीयू मीरपुर के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी तथा आईआईएम रोहतक के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नूंह के स्कूल में आग से मिड डे मील का राशन, कंप्यूटर व टैब जले

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के घासेड़ा गांव स्थित गर्ल्स हाई स्कूल में शुक्रवार को अचानक लगी आग से भारी नुकसान हो गया। आग स्कूल परिसर में बने मिड डे मील कक्ष से शुरू हुई और पूरे परिसर में फैल गई। आग लगने से स्कूल का काफी नुकसान हुआ है। स्कूल की प्रिंसिपल सरिता कौशिक ने बताया कि आज बसंत पंचमी का अवकाश था। उन्हें स्कूल के चौकीदार से सूचना मिली कि मिड डे मील के कमरे में आग लगी है। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। प्रिंसिपल ने बताया कि जिस कमरे में आग लगी, वहां मिड डे मील से संबंधित राशन और बर्तन के साथ-साथ आठ कंप्यूटर, बच्चों को दिए जाने वाले टैब और स्कूल का महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड रखा हुआ था। आग की वजह से सारा सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे स्कूल को भारी नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही गांव के सरपंच इमरान भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्हें आग लगने की खबर मिली, उन्होंने तुरंत दमकल विभाग को फोन कर सूचित किया। सरपंच के अनुसार, कमरे में मिड डे

मील का सामान, स्कूल की अन्य सामग्री और सोलर इन्वर्टर पैनल भी लगा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर जल गया। पुलिस जांच अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर अंदेशा जताया जा रहा है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है, हालांकि आग लगने के सही कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आदि बद्री से सिरसा के ओटू हेड तक सरस्वती नदी के पुनर्जीवन के प्रयास जारी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

हिसार। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा आदि बद्री से लेकर सिरसा जिले के ओटू हेड तक सरस्वती नदी के पुनर्जीवन के लिए निरंतर सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने गुरुवार को नारनौंद क्षेत्र के गांव राखीगढ़ी स्थित म्यूजियम परिसर में आयोजित सरस्वती महोत्सव में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड व पुरातत्व विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सरस्वती नदी से संबंधित विशेष प्रचार सामग्री तथा राखी गढ़ी गांव में स्थित पुरातात्विक स्थलों से खुदाई में प्राप्त वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया था। कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रदर्शित एक-एक वस्तु के संबंध गहन रुचि दिखाते हुए विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त वस्तुओं के संबंध में कुछ सवाल भी पूछे, मौके पर मौजूद पुरातत्व विशेषज्ञों ने सभी सवालों के जवाब के विस्तार से जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। सरस्वती नदी तथा राखीगढ़ी स्थित पुरातात्विक स्थलों के संबंध में कृषि मंत्री की व्यापक जानकारी को

देखकर वहां उपस्थित लोग काफी प्रभावित हुए। कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरस्वती नदी से जुड़े नवीनतम शोध तथा पुरातात्विक खोजो ने हमें अपनी प्राचीन जड़ों से और अधिक दृढ़ता से जोड़ा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह भी सामने आया है कि सरस्वती नदी की घाटी में हजारों हड़प्पा स्थल फैले हुए हैं जिनकी सबसे बड़ी संख्या हरियाणा में स्थित है। कृषि मंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें जीवन में सफल होने के लिए जुनून के साथ कड़ी मेहनत करने का मंत्र देते हुए कहा कि जो बच्चा इस मंत्र को जीवन में अपनाएगा निश्चित रूप से वह सफलता की शिखर को छूएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि रखनी चाहिए। हर बच्चे को जीवन में एक खेल अवश्य अपनाना चाहिए। खेलों से तन मन स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर एसडीएम विकास यादव, गांव के सरपंच प्रतिनिधि बंटी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा गांवके अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डोडा हादसे में यमुनानगर का जवान भी हुआ शहीद

एजेंसी

यमुनानगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भारतीय सेना के साथ हुए भीषण सड़क हादसे में यमुनानगर जिले का एक जवान भी शहीद हो गया है। इस हादसे में हरियाणा के यमुनानगर जिले के छछरौली ब्लॉक अंतर्गत गांव शेरपुर निवासी 26 वर्षीय जवान सुधीर नरवाल भी देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर गए। शहीद सुधीर के बलिदान की सूचना गुरुवार देर शाम उनके परिजनों तक पहुंची, जिसके बाद गांव शेरपुर सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और परिचितों की आंखें नम हैं और हर कोई अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

परिजनों के अनुसार, शहीद सुधीर के पिता का कुछ समय पूर्व ही निधन हो चुका था। पिता के जाने के बाद घर का सहारा बने सुधीर की शहादत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार पहले से ही गहरे दुख से गुजर रहा था, ऐसे में जवान बेटे की शहादत ने परिवार को असहनीय पीड़ा में डाल दिया है। गांव में मातम का माहौल है और लोग शहीद परिवार के साथ संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। शहीद के चचेरे भाई सुशील कुमार ने बताया कि सुधीर आखिरी बार दिवाली पर छुट्टी लेकर घर आए थे। इसके बाद 20 नवंबर को वह वापस ड्यूटी पर लौट गए थे।

परिवार में 20 फरवरी को सुधीर की बुआ की पोती की शादी थी, जिसमें आने की उन्होंने पूरी प्लानिंग कर रखी थी। सुधीर ने परिवार से कहा था कि वह 26 जनवरी के बाद घर जरूर आएंगे और शादी की तैयारियां शुरू रखने को कहा था। ही सुधीर ने अपनी मां उर्मिला देवी, पत्नी रूबी और बेटे अयांश से फोन पर बात की थी।

नारनौल हवाई पट्टी पर 14 करोड़ से बनेगा हैंगर व एटीसी भवन: आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। नारनौल हवाई पट्टी पर नए हैंगर एवं एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए लगभग 14 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में हवाई क्षेत्र में भी ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने पर पूरा फोकस किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इस तरह की महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्यंत अहम है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस परियोजना के तहत एटीसी भवन निर्माण के लिए लगभग पांच करोड़ 80 लाख तथा अतिरिक्त हैंगर निर्माण के लिए लगभग आठ करोड़ 21 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री ने बताया कि यह निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी, बी एंड आर) के माध्यम से पूरा किया जाएगा तथा सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए कार्य को चरणबद्ध ढंग से पूरा किया

जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सिविल एयरोड्रोम का विकास न केवल क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, बल्कि भविष्य में औद्योगिक विकास, आपातकालीन सेवाओं, प्रशासनिक गतिविधियों तथा निवेश और रोजगार के नए अवसरों के सृजन में भी सहायक सिद्ध होगा। यह परियोजना दक्षिण हरियाणा के समग्र विकास को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संतुलित एवं समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ हर क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने सीवरेज व मानसून प्रबंधन कार्यों की प्रगति करी समीक्षा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में सिवरेज से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान तथा मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से गठित सिवरेज मैनेजमेंट सेल एवं मानसून मैनेजमेंट सेल की समीक्षा बैठक नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने की। बैठक में बताया गया कि निगम क्षेत्र के दर्जनों संवेदनशील और चिन्हित स्थलों पर बकेट मशीन, सुपर सकर व जेटिंग मशीन के माध्यम से डी-सिल्टिंग कार्य तेज़ी से कराया जा रहा है। कई वार्डों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान हो चुका है, जबकि शेष स्थानों पर निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।बैठक में जानकारी दी गई कि सिवरेज मैनेजमेंट सेल के गठन के समय नगर निगम क्षेत्र में सिवरेज से संबंधित समस्याओं वाले कुल 40 स्थानों की पहचान की गई थी। इन सभी स्थानों पर स्थायी समाधान के उद्देश्य से कार्य प्रारंभ किए गए, जिनकी समयसीमा अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। अब तक लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 30 प्रतिशत कार्य तय समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा।

एसएमसी समीक्षा के दौरान बताया गया कि वार्ड-9 के सरस्वती एन्क्लेव, शक्ति पार्क, सेक्टर-10, खांडसा में नई सीवर लाइन, जलापूर्ति लाइन, सडक़ निर्माण व मास्टर सीवर लाइन के कार्य प्रगति पर हैं। पटौदी रोड पर मास्टर सीवर लाइन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कई कार्यों के लिए डीपीआर स्वीकृत व टेंडर प्रक्रियाधीन हैं।वार्ड-14 के इंदिरा कॉलोनी, तिगरा में संवेदनशील पेट्रोलियम पाइपलाइन के कारण उत्पन्न तकनीकी समस्या के समाधान हेतु संबंधित एजेंसियों से एनओसी प्रक्रिया शुरू की गई है।

सोना-चांदी ने रचा इतिहास, सोना 1.59 लाख एवं चांदी 3,33,300 के पार

- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी सार्वज निक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के भावों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। घरेलू और वैश्विक दोनों ही बाजारों में कीमती धातुओं ने नए रिकॉर्ड बना दिए। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय संकेतों के चलते सोना-चांदी के दाम ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गए। घरेलू वायदा बाजार की बात करें तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट ने तेज शुरुआत की। यह 2,548 रुपये की बढ़त के साथ 1,58,889 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,56,341 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का वायदा भाव 1,59,226 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। इस समय यह करीब 2,159 रुपये की तेजी के साथ 1,58,500 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भावों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 6,044 रुपये की बढ़त के साथ 3,33,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 3,27,289 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी ने 3,39,927 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बनाया। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 9,611 रुपये की तेजी के साथ 3,36,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना-चांदी ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,970 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी के वायदा भाव 96.32 डॉलर प्रति औंस पर खुले और दिन के दौरान 99.20 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर को छू लिया। मजबूत वैश्विक मांग और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति से कीमती धातुओं में यह ऐतिहासिक तेजी देखने को मिल रही है।

डॉ. रेड्डी लैब्स ला रही जेनेरिक ओज़ेम्पिक, इलाज होगा और किफायती

कंपनी ने पहले साल में लगभग 1.2 करोड़ पेन तैयार करने की योजना बनाई

नई दिल्ली ।

डॉ. रेड्डी लैब्स भारत में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाली सेमाग्लूटाइड आधारित दवा ओज़ेम्पिक का जेनेरिक संस्करण बाजार में उतारने जा रही है। कंपनी का उद्देश्य मरीजों तक सुलभ और प्रतिस्पर्धी कीमत पर दवा पहुंचाना है। कंपनी ने पहले साल में लगभग 1.2 करोड़ पेन तैयार करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अंतिम कीमत बाजार में मौजूद अन्य कंपनियों की रणनीति पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जेनेरिक सेमाग्लूटाइड की कीमतें काफी कम हो सकती हैं, जिससे डायबिटीज और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज पहले से कहीं अधिक किफायती और सुलभ होगा। डॉ. रेड्डी लैब्स दवा का सक्रिय फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (एपीआई) खुद बनाएगी। इसके अलावा, भारत में मार्केटिंग के लिए कंपनी अन्य साझेदारों के साथ सहयोग करेगी। भारत में ओज़ेम्पिक का पेटेंट 21 मार्च को समाप्त हो गया, जिससे यह बाजार कंपनी की वैश्विक रणनीति में अहम बन गया है। इसके अलावा तुर्की, ब्राज़ील और कनाडा को भी प्रमुख बाजारों के रूप में देखा जा रहा है। भारत

में जेनेरिक ओज़ेम्पिक के निर्माण और विपणन की मंजूरी मिल चुकी है, जबकि वजन घटाने वाली दवा वेगोवी के अनब्रांडेड संस्करण के लिए अभी मार्केटिंग अप्रूवल का इंतजार है। कनाडा में हेल्थ कनाडा से मंजूरी मिलने की संभावना मई तक है। डॉ. रेड्डी लैब्स की इस पहल से जेनेरिक सेमाग्लूटाइड मरीजों के लिए सस्ती और अधिक सुलभ दवा बन जाएगी, जिससे डायबिटीज और मोटापे से जूझ रहे लोगों को बड़ा राहत मिल सकता है।

फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की

नई दिल्ली ।

दिसंबर 2025 के बिक्री के मामले में 4.5 से 4.7 मीटर सेगमेंट में एक बार फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की है। दिसंबर माह में महिंद्रा स्कॉर्पियो को कुल 15,850 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 30.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 12,195 यूनिट का था, जिससे साफ है कि स्कॉर्पियो की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस सेगमेंट में दूसरे स्थान पर टाटा हैरियर रही।

टाटा हैरियर ने दिसंबर 2025 में 2,378 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 81.94 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। तीसरे नंबर पर महिंद्रा एक्सईवी 9ई रही, जिसे बीते महीने 2,154 ग्राहकों ने खरीदा। वहीं चौथे स्थान पर टाटा सफारी ने अपनी जगह बनाई। टाटा सफारी की बिक्री 1,446 यूनिट रही, जिसमें सालाना आधार पर 4.40 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। पांचवें नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी700 रही, जिसकी बिक्री में इस दौरान भारी गिरावट देखने को मिली।

दिसंबर 2025 में एक्सयूवी700 की 1,424 यूनिट बिकीं, जो सालाना आधार पर 80.59 प्रतिशत कम है। छठे स्थान पर एमजी हेक्टर रही, जिसकी बिक्री 1,147 यूनिट रही और इसमें 16.46 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सातवें नंबर पर हुंडई अल्काजार रही, जिसकी बिक्री 56.86 प्रतिशत घटकर 579 यूनिट पर सिमट गई। आठवें स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस रही, जिसे 491 नए ग्राहक मिले। नौवें नंबर पर जीप कंपास रही, जिसकी बिक्री 20 प्रतिशत गिरकर 140 यूनिट रही।

टाटा पंच में डीज़ल इंजन लगाने से कीमत पर पडेगा असर

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स की एसयूवी टाटा पंच में तमाम बदलावों के बीच एक सवाल लंबे समय से ग्राहकों और ऑटो एक्सपर्ट्स के मन में बना हुआ है कि क्या टाटा पंच को कभी डीज़ल इंजन के साथ लॉन्च किया जाएगा। डीज़ल पंच की मांग इसलिए भी उठती रही है क्योंकि टाटा मोटर्स पहले ही यह साबित कर चुकी है कि कॉम्पैक्ट कारों में डीज़ल इंजन बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज़ आज भी डीज़ल विकल्प के साथ उपलब्ध है और अपने सेगमेंट में भरोसेमंद मानी जाती है। पंच और अल्ट्रोज़ के प्लेटफॉर्म और साइज में समानता होने के कारण यह उम्मीद समय-समय पर सामने आती रही है। हाल ही में इस मुद्दे पर टाटा मोटर्स के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर मोहन सावरकर ने कंपनी का रुख साफ किया। उन्होंने बताया कि बीएस6 उत्सर्जन मानकों, खासकर बीएस 6 फेज-2 के बाद छोटे सेगमेंट की कारों में डीज़ल इंजन को तकनीकी रूप से काफी महंगा बनाना पड़ता है। इसका सीधा असर गाड़ी की कीमत पर पड़ता है, जो माइक्रो-एसयूवी खरीदने वाले ग्राहकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाता। तकनीकी तौर पर डीज़ल पंच संभव है, लेकिन कीमत बढ़ने के कारण फिलहाल इस पर काम नहीं किया जा रहा।

डीज़ल की जगह टाटा का फोकस पेट्रोल और सीएनजी विकल्पों पर है। 2026 पंच में नया 1.2-लीटर आई टर्बो रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो ज्यादा पावर और बेहतर परफॉर्मेंस देता है। साथ ही सीएनजी वेरिएंट में एएमटी गियरबॉक्स की सुविधा भी दी गई है। मौजूदा नियमों और लागत को देखते हुए फिलहाल डीज़ल टाटा पंच की उम्मीदें कम नजर आ रही हैं। बता दें कि नए डिजाइन, अपडेटेड केबिन, आधुनिक फीचर्स और पहली बार टर्बो-पेट्रोल इंजन की एंट्री के साथ पंच अब पहले से ज्यादा प्रीमियम हो गई है।

तेलंगाना ने दावोस में डब्ल्यूईएफ 2026 में निवेश और विकास की नई राह दिखाई

- तेलंगाना सरकार ने प्रमुख निवेशों के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 की वार्षिक बैठक में शामिल हुआ। तीन दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री और उनकी टीम ने वैश्विक उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा की और राज्य में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार ने बताया कि समझौते मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, तथा विनिर्माण क्षेत्र में किए गए। इसके अलावा, कृत्रिम मेधा (एआई), सतत विकास और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भी कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में डब्ल्यूईएफ के एक अनुवर्ती कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस पहल का उद्देश्य राज्य में निवेश और उद्योग सहयोग को और बढ़ावा देना है। दावोस में तीन दिनों के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्लू-चिप कंपनियों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ 12 आमने-सामने बैठकें कीं। इसके अलावा रेवंत रेड्डी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में आयोजित लीडरे शिप, 21वीं सदी कार्यक्रम में भाग लेंगे और 25 से 30 जनवरी तक कक्षाओं में शामिल होंगे।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 28 पैसे की गिरावट के साथ ही 91.86 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला और फिर बढ़कर 91.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 91.58 प्रति डॉलर से 17 पैसे अधिक है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.58 पर बंद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप पर शुल्क लगाने की योजना से पीछे हटने के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे व्यापार युद्ध की आशंकाएं कम हुईं और निवेशक जोखिम लेने के लिए तैयार हुए। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 98.36 पर रहा। डॉलर में मजबूती के कारण उभरती बाजारों की मुद्राओं में मामूली सुधार देखने को मिला।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग 16 प्रतिशत घटकर 16,176 करोड़ हुई

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बिक्री बुकिंग 12,039 करोड़ थी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर 2025-26) में 16,176 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष के 19,187 करोड़ रुपए की तुलना में 16 फीसदी कम है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बिक्री बुकिंग केवल 419 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 12,039 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि इसकी मुख्य वजह 'द डहलियाज' अल्ट्रा-लक्ज़री प्रोजेक्ट की बुकिंग अस्थायी रूप से रोकना था। डीएलएफ ने कहा कि 'द डहलियाज' में डिज़ाइन में बदलाव किया जा रहा है ताकि ग्राहक अनुभव बेहतर हो। कंपनी ने 2025-26 के लिए 20,000-22,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है और कहा कि मध्यम अवधि की योजना के अनुसार नई परियोजनाएं पेश करना जारी रहेगा। पिछले वर्ष कुल बिक्री 21,223 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ ने आश्वासन दिया है कि गिरावट के बावजूद वार्षिक लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

इंडिग्रिड ने संस्थागत निर्गम से 1,500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । इंडिग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने 19 जनवरी से शुरू किए गए संस्थागत नियोजन निर्गम (आईपीपी) के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। निर्गम को दो गुना से अधिक अभिदान मिला, जिसमें नए और मौजूदा निवेशकों ने हिस्सा लिया। इसमें 10 बीमा कंपनियों और 6 म्यूचुअल फंड्स ने भाग लिया। घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 78 फीसदी रही, जबकि विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 12 फीसदी रही। नवंबर 2025 में किए गए तरजीही निर्गम के 438 करोड़ रुपये जोड़कर, इंडिग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 1,938 करोड़ रुपये इक्विटी पूंजी के रूप में जुटाए।

जनरल अटलांटिक बालाजी वेफर्स में 7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

- निवेश की राशि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली । गुजरात स्थित पैकेज्ड स्नैक्स कंपनी बालाजी वेफर्स में वैश्विक निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ने लगभग 7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का निर्णय लिया है। निवेश की राशि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिससे कंपनी का मूल्यांकन लगभग 35,000 करोड़ रुपये आंका गया है। बालाजी वेफर्स और जनरल अटलांटिक ने इस निवेश के लिए डिफिनिटिव एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह निवेश विश्वस्तरीय सुविधाओं की स्थापना, नवाचार और पेशेवर टीम बनाने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य पूरे भारत में कंपनी की मौजूदगी बढ़ाना और उपभोक्ताओं को भरोसेमंद गुणवत्ता प्रदान करना है।

इंडिगो के खाली स्लॉट आवंटन के लिए सरकार ने आवेदन मांगे

- इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द की थी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द कीं और 1,852 उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस परिचालन बाधा के कारण देशभर के हवाई अड्डों पर लगभग 3 लाख यात्री प्रभावित हुए। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी कटौती कर दी, जिससे एयरलाइन को कई स्लॉट पर परिचालन बंद करना पड़ा। इंडिगो द्वारा छोड़े गए स्लॉट पर अन्य एयरलाइंस से आवेदन और प्राथमिकताएं मांगी गई हैं। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, पुनर्वितरण समिति की हाल ही में बैठक हुई थी, जिसमें प्रक्रिया और सिद्धांतों पर चर्चा हुई। एयरलाइंस को अपने आवेदन संबंधित हवाई अड्डा परिचालकों को भेजने होंगे। अंतिम निर्णय भी संबंधित हवाई अड्डा परिचालक ही लेंगे। नियम के अनुसार कोई भी एयरलाइन अपनी मौजूदा उड़ानों को बंद किए बिना इन स्लॉट का उपयोग नहीं कर सकती। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक अधिकांश एयरलाइंस इन स्लॉट में रुचि नहीं दिखा रही हैं।

आईआरबी इंफ्रा ने एनएच-27, एनएच-731 पर टोल वसूली की शुरू

- एनएच-27 गलियारा भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है

नई दिल्ली । आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स (आईआरबी इंफ्रा) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-731 के लखनऊ-सुल्तानपुर खंड पर टोल वसूली शुरू कर दी है। कंपनी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 9,270 करोड़ रुपये की अग्रिम रियायत शुल्क राशि का भुगतान किया है। इसके बाद वित्तीय समापन के साथ ही टोल संग्रह आरंभ किया गया। टोल वसूली आईआरबी इंफ्रा की विशेष परियोजना इकाई आइआरबी हरिहर कॉरिडोर्स के माध्यम से 20 वर्ष की राजस्व-आधारित रियायत अवधि के लिए की जाएगी। आईआरबी समूह ने बताया कि एनएच-27 गलियारा भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है। यह यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, कुशल और सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना से क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही लाखों यात्रियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 769 अंक, निफ्टी 241 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक नीचे आकर 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 241.25 अंक फिसलकर 25,048.65 अंक पर आ गया। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 5.7 लाख करोड़ रुपये से घटकर 452.69 लाख करोड़ रुपये रह गया। इससे निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भारतीय बाजार में अभी भी संशय का माहौल है। वहीं एशियाई बाजारों में आई तेजी और ग्रीनलैंड मामले को लेकर अमेरिकी सरकार के सुर में नरमी से भी बाजार को कुछ सहारा मिला था। आज सबसे ज्यादा गिरावट अडानी समूह के शेयरों में आई। ग्रुप के शेयर कारोबार के दौरान 13 फीसदी तक फिसल गये।

आज अडानी पोर्ट्स, इंडिगो और एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में तेजी रही। सभी सेक्टोरल इंडेक्सेज में गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 3.34 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.27 फीसदी गिरावट दर्ज की गयी। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव का असर दिखा। निफ्टी मिडकैप 100 में 1.8 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप

100 इंडेक्स में 1.95 फीसदी गिरावट आई। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। गत दिवस विदेशी निवेशको ने 2,550 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत हुई। सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 82,335 अंक पर खुला पर खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें कमजोरी दिखने लगी। वहीं निफ्टी-50 25,344.60 अंक पर खुला। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद यह 11.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,300 के स्तर पर बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान शेयरों में मामूली बढ़त देखी गई। जापान के केंद्रीय बैंक की नीति बैठक से पहले यह व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह ब्याज दरों को बनाये रखेगा। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों का सबसे व्यापक एमएससीआई इंडेक्स 0.4 फीसदी ऊपर आया जबकि निक्केई 225 इंडेक्स में 0.2 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की गई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में उतार-चढ़ाव रहा और ये 0.01 फीसदी ऊपर कारोबार करता दिखा।

भारत-यूएई व्यापार 2032 तक 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद हाल ही में भारत आए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। बैठक 2022 में हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के कार्यान्वयन के बाद हुई। 2032 तक व्यापार को दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया। वित्त वर्ष 2025 में भारत-यूएई व्यापार 100 अरब डॉलर पार कर गया। हालांकि, भारत का व्यापार यूएई के पक्ष में झुका हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में भारत का निर्यात 36.64 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 63.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। परिणामस्वरूप, भारत का व्यापार घाटा लगभग 27 अरब डॉलर रहा। भारत ने यूएई को रत्न और आभूषण, रेडीमेड कपड़े, ऑटो उपकरण, चमड़ा उत्पाद, कांच, सिरेमिक और सीमेंट निर्यात बढ़ाया। ऊर्जा क्षेत्र में एचपीसीएल और एडीएनओसी गैस के बीच एलएनजी खरीद समझौता हुआ। निर्यात बढ़ाकर और निवेश सहयोग मजबूत करके भारत-यूएई व्यापार संतुलन सुधारा जा सकता है और 2032 तक लक्षित 200 अरब डॉलर हासिल किया जा सकता है।

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हटाए गए

- एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान का मामला

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया है कि दिसंबर 2025 की शुरुआत में देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान के मामले में एयरलाइन पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सरकार ने यह भी कहा कि एयरलाइन के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट (ओसीसी) को सभी परिचालन संबंधित जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है और उन्हें कोई नई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओओ) को विंटर शेड्यूल 2025 और संशोधित एफडीटीएल नियमों का प्रभावी आकलन न करने के कारण चेतावनी जारी की। इसके अलावा, फ्लाइट ऑपरेशंस के डिप्टी हेड, क्रू रिसोर्स प्लानिंग के एवीपी और फ्लाइट ऑपरेशंस के निदेशक को मानव संसाधन नियोजन, रोस्टर मैनेजमेंट और निगरानी में चूक के लिए चेतावनी दी गई। इंडिगो को निर्देश दिया गया है कि वह अपनी आंतरिक जांच में दोषी पाए गए किसी भी अन्य कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करे और डीजीसीए को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करे। साथ ही दीर्घकालिक नियम पालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का आदेश दिया गया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा

ने न्यायालय को बताया कि एयरलाइन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी चेतावनी दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट में यह मामला जनहित याचिका के रूप में चल रहा है। सरकार ने अपनी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को सौंप दी। संक्षिप्त सुनवाई के बाद अदालत ने दो सप्ताह में केंद्र सरकार को हलफनामे के जरिए अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

दुनिया के लिए प्रेरक बनता भारत का चुनावी तंत्र

उमेश चतुर्वेदी

जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है।

स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है। इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन् 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है। जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की महत्ता को दुनिया हाल तक स्वीकार करने से हिचकती रही है। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक एवं चुनावी सहायता संस्थान की अगुआई भारत को मिलना मामूली बात नहीं है। अंग्रेजी में इस संस्थान को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस यानी आईडीईए के नाम से जाना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र की अहमियत वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो रही है।

वैश्विक लोकतांत्रिक परिदृश्य के लिहाज से भारत को मिली अगुआई ऐतिहासिक है। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है। जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को 'पश्चिमी मॉडल' के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है। माना जा रहा है कि आयोग से दुनियाभर के अधिकारी जानना चाहेंगे कि मतदाताओं की भारी संख्या के बावजूद आयोग उन तक कैसे पहुंचता है और चुनाव प्रणाली की पवित्रता कैसे बरकरार है।

चुनावी पवित्रता की नाभि-नाल पारंपरिक लोकतांत्रिक प्रणाली से जुड़ी है। प्राचीन भारत का बज्जि गणतंत्र आधुनिक प्रणाली से कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक और लोकोन्मुखी था। दक्षिण भारत के दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो व्यवस्था अपना रखी थी, उसे आधुनिक राजनीति विज्ञानी भी बेहतरीन प्रणाली मान रहे हैं। मैग्नाकार्टा के कुछ साल पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर ने जिस अनुभव मंडपम् की स्थापना की थी, उसमें समाज के हर वर्ग के लोग धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे और एक परिणति तक पहुंचते थे। राजनीति शास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रथम स्वरूप मानते हैं। आज हमारी चुनाव प्रणाली मजबूत है तो इसकी एक वजह हमारी यह परंपरा भी है।

वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक राष्ट्रों के समक्ष चुनौतियां बढ़ी हैं। जिनके लिए भारत का अनुभव प्रेरक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के लिए ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप, चुनावी धन में पारदर्शिता की कमी एवं युवाओं की घटती रुचि खतरा बन रही हैं। इसमें जनमत को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल ने कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। ऐसे माहौल में भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर चुनावी लिहाज से अपने सफल मॉडल आधारित अनुभव से लोकतांत्रिक राष्ट्रों की चुनाव प्रणाली के लिए प्रेरक हो सकता है।

भारत को इन देशों की अगुआई इस बात का भी प्रतीक है कि हमारे लोकतंत्र की ताकत सिर्फ चुनाव में नहीं, बल्कि हर वोट को मिली अहमियत से है। इसी वजह से विविधरंगी समाज, भाषा, धर्म और असमानता के बावजूद भारतीय चुनाव प्रणाली शांतिपूर्ण बनी हुई है। साफ है कि विशाल और बहुलवादी समाज भारतीय लोकतंत्र की बाधा नहीं, ताकत है। पश्चिमी और ग्लोबल साउथ देशों की लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों के मद्देनजर भारतीय चुनाव प्रबंधन कहीं ज्यादा उपलब्धि भरा है। अमेरिका और यूरोप में जहां मतदाता भागीदारी लगातार कम हो रही है, वहीं अविश्वास और आपसी सामाजिक टकराव जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। इसके बरक्स विविधता के बावजूद हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था समस्या समाधान का शांतिपूर्ण हथियार बनी हुई है। इसमें महिलाओं, दिव्यांगजनों और युवा मतदाताओं के साथ बढ़ी मतदाता भागीदारी ने लोकतांत्रिक जड़ों को गहरा ही किया है। आमजन की राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जारी विश्वास भी इसी का प्रतीक है। आज मौका मिलते ही सरकारें बदलने और दूसरी पार्टी को मौका मिलती है तो इसकी वजह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर बढ़ती जागरूकता और उसके प्रति अटूट भरोसा है। विविधरंगी, अलग सामाजिक पहचान, जाति, धर्म और भाषा, क्षेत्रीय भिन्नताएं अलग होने के बावजूद अगर भारत में पश्चिम की तरह टकराव नहीं है तो उसकी वजह लोकतांत्रिक और चुनाव प्रक्रिया में अटूट भरोसा ही है। साफ है कि विविध सामाजिक पहचान के साथ सामुदायिक संतुलन और सहअस्तित्व भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी बना हुआ है। इसके पीछे चुनाव आयोग की सोच भी है। आज चुनावी नवाचार में भारत अगुआ है। ईवीएम, वीवीपैट, महिलाओं एवं दिव्यांग संचालित एवं थीम आधारित मतदान केंद्र, पोस्टल बैलेट, सूचना एवं प्रोद्योगिकी आधारित मतदाता सेवाएँ और स्वीप जैसी जागरूकता पहल तेजी और व्यापक तरीके से लागू की जा रही हैं। इनके चलते भारत में लोकतंत्र का भविष्य पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक विस्तारित, स्थायीत्व और जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से वैश्विक विमर्श में 'भारतीय चुनाव मॉडल' प्रेरक बन चुका है। दुनिया में लोकतंत्र की दिशा तय करने वाले केंद्र बहुध्रुवीय होते गए हैं। लोकतंत्र का भविष्य उन्हीं देशों में सुरक्षित है, जो विपरीत हालात में भी नागरिक भागीदारी और विश्वास बनाए रखने में सफल हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और मॉरीशस जैसे देशों में यह प्रवृत्ति तेजी से विकसित हुई है। ऐसे में भारत की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उसकी अगुआई में आईडीईए सिर्फ विमर्श का मंच न रहकर, दुनिया में लोकतंत्र को अधिक सहभागी, अधिक समावेशी, अधिक तकनीक-सक्षम और अधिक मानवीय बनाने का मोर्चा बन सके।

संपादकीय

संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरूआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरूआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो।

किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी जरुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

आपको अष्टवप्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो,आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान नहीं कर सकता।

जब समाज बदलेगा, तभी निडर होंगी बालिकाएं

योगेश कुमार गोयल

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान...

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणामस्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरूआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है। भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दशार्ता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है। कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

ललित गर्ग

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निमार्ताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-'सा विद्या या विमुक्तये', अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी। औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आजादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से 'गुरु' की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में। तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मिनेसोटा– आप्रवासन अभियान को लेकर कानूनी विवाद गहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राज्य मिनेसोटा में संघीय अधिकारियों के बड़े आप्रवासन प्रवर्तन अभियान को लेकर कानूनी विवाद गहरा गया है। संघीय अभियोजकों ने गवर्नर टिम वाल्ज और पांच अन्य अधिकारियों को ग्रैंड जूरी के समन भेजे हैं। जांच इस बात की हो रही है कि क्या स्थानीय अधिकारियों ने मिनेपोलिस–सेंट पॉल क्षेत्र में चल रहे अभियान में बाधा डाली। समन पाने वालों में अटार्नी जनरल कीथ एलिसन और मिनेपोलिस व सेंट पॉल के मेयर भी शामिल हैं। यह कदम अभियान को रोकने के लिए दायर मुकदमे के बाद उठाया है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद ने पारित किए हेट–स्पीच विरोधी कानून

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने सिडनी के बॉन्डी तट पर हुए आतंकी हमले के जवाब में सख्त बंदूक नियंत्रण और हेट–स्पीच (नफरती भाषण) विरोधी कानून पारित कर दिए हैं। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को इस फैसले का स्वागत किया। पिछले महीने एक यहूदी उत्सव के दौरान पिता–पुत्र हमलावरों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। नए कानूनों के तहत हथियारों के स्वामित्व पर प्रतिबंध लगाया गया है और सरकार द्वारा हथियारों को वापस खरीदने का कार्यक्रम शुरू होगा।

श्रीलंका के 30 जजों को भोपाल की अकादमी में मिला प्रशिक्षण

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के 30 जिला न्यायाधीशों ने भोपाल स्थित भारतीय राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में एक विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) में भाग लिया। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, 12 से 16 जनवरी तक चले इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट के अनुरोध पर किया गया था। सप्ताह भर चले इस प्रशिक्षण में जुवेनाइल जस्टिस, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और तनाव प्रबंधन जैसे 11 महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। न्यायाधीशों ने सांस्कृतिक अनुभव के लिए सांची का दौरा भी किया।

श्रीलंका में शुरू हुआ भारत के सहयोग से बना तीसरा बेली ब्रिज

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के मध्य प्रांत में बुधवार को भारत द्वारा निर्मित तीसरे बेली ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया गया। यह पुल चक्रवात दित्वाह के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत के 45 करोड़ डॉलर के सहायता पैकेज का हिस्सा है। भारतीय उप–उच्चायुक्त डॉ सत्यांजल पांडेय और सांसद मंजुला सुरवीरा अराची ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया।

दक्षिण कोरिया– पूर्व पीएम हान को विद्रोह के लिए 23 वर्ष जेल

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि देश के तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लगाया गया मार्शल लॉ विद्रोह का कृत्य था। अदालत ने इस मामले में भूमिका के लिए देश के पूर्व पीएम हान डक–सू को 23 साल की सजा सुनाई। यून पहले अधिकारी थे जिसे मार्शल लॉ में दोषी ठहराया गया।

अमेरिका– अंतरिम अटॉर्नी लिंडसे ने पद छोड़ा, नियुक्ति पर था विवाद

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन ने अपना 120 दिन का कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ दिया है। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया था। हैलिगन की नियुक्ति को दो महीने पहले एक अदालत ने अवैध घोषित कर दिया था। बिना अनुभव उन्होंने पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क अटार्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए थे, जिन्हें बाद में अदालत ने खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट लिसा कुक के साथ खड़ा दिखा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए हैं कि वह फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटाने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश को रोक सकता है। ट्रंप ने उन पर मॉर्गेज धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं, जिसे लिसा कुक ने सिरे से खारिज कर दिया है। न्यायाधीशों का मानना है कि अगर फेड के गवर्नर को इस तरह हटाया गया तो इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। जस्टिस ब्रेट कावानॉ ने कहा कि इससे फेड की निष्पक्षता पर गहरा असर पड़ेगा। आरोप है कि लिसा कुक ने 2021 में दो मकानों को 'प्राइमरी रेजिडेंस' बताया, जिससे कम ब्याज दर पर लोन मिल सकता है। लेकिन उनके वकील ने कहा कि यह सिर्फ एक दस्तावेजी गलती थी, कोई धोखाधड़ी नहीं। ट्रंप की असली मंशा ब्याज दरों पर कंट्रोल पाने की मानी जा रही है।

गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होंगे 8 इस्लामिक देश: इनमें कतर, तुर्किये और पाकिस्तान भी

दोहा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बनाए गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में 8 इस्लामिक देशों ने शामिल होने पर सहमति जताई है। इन देशों में कतर, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक इन देशों के विदेश मंत्रियों ने कतर की राजधानी दोहा संयुक्त बयान इसका ऐलान किया। बयान में कहा गया है कि सभी देशों ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का साझा फैसला लिया है। हर देश अपने-अपने कानूनी और जरूरी प्रक्रियाओं के तहत इसमें शामिल होने से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा। मिस्र, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात पहले ही बोर्ड में शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं।

ट्रम्प का दावा– पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होंगे : ट्रम्प ने दावा किया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने यह बयान स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान दिया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि पुतिन को न्योता दिया गया था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। दूसरी तरफ पुतिन ने कहा है कि बोर्ड में औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला रणनीतिक साझेदारों से सलाह के बाद ही लिया जाएगा। व्हाइट हाउस के मुताबिक, अब तक करीब 50 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता दिया गया है, जिनमें से 35 से अधिक देशों ने अपनी सहमति दे दी है।

गाजा पीस बोर्ड को रूस 1 अरब डॉलर देगा

रूस ने गाजा पीस बोर्ड को 1 अरब डॉलर देने की पेशकश की है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भले ही बोर्ड में उसकी औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला न हुआ हो, लेकिन वह 1 अरब डॉलर देने पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पैसा उस रूसी संपत्ति से लिया जा सकता है, जिसे अमेरिका ने पिछली सरकार के दौरान फ्रीज कर दिया था। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। इन्हीं प्रतिबंधों के तहत अमेरिका और यूरोप में रूस के सेंट्रल बैंक और सरकारी फंड से जुड़ी अरबों डॉलर की संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया था। इन पैसों पर रूस का मालिकाना हक तो बना रहता है, लेकिन वह बिना अमेरिकी मंजूरी के इनका इस्तेमाल नहीं कर सकता। पुतिन अब इसी फ्रीज संपत्ति से गाजा पीस बोर्ड को 1 अरब डॉलर देने की बात कर रहे हैं।

सीजफायर के बाद गाजा पीस प्लान अब दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा के गठन का ऐलान किया है। इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) का गठन किया गया है। ट्रम्प खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत किए की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है। इजराइल ट्रम्प के पीस बोर्ड को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुका है। नेतन्याहू के ऑफिस के मुताबिक, विदेश मंत्री गिदोन सार इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने उठाएंगे। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि बोर्ड का कौन सा हिस्सा इजराइल को आपत्तिजनक लग रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य समस्या तुर्किए विदेश मंत्री हाकान फिदान को शामिल करने से है। तुर्किए को हमास का समर्थक माना जाता है और इजराइल के साथ इसका संबंध तनावपूर्ण हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोगन ने इजराइल की गाजा कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। इजराइल का कहना है कि ऐसे देशों को गाजा के प्रशासन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने नेतन्याहू के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि गाजा को 'कार्यकारी बोर्ड' की जरूरत नहीं, बल्कि हमास को पूरी तरह खत्म करने और बड़े पैमाने पर खुद से पलायन की जरूरत है।

पीस बोर्ड के हर सदस्य की अपनी तय जिम्मेदारी होगी : व्हाइट हाउस ने कहा कि एग्जीक्यूटिव बोर्ड का हर सदस्य गाजा की स्थिरता और लंबे समय की सफलता से जुड़े एक तय पोर्टफोलियो की जिम्मेदारी संभालेगा। इसमें शासन क्षमता बढ़ाना, क्षेत्रीय संबंध, पुनर्निर्माण, फंडिंग और पूंजी जुटाना शामिल है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, आने वाले हफ्तों में बोर्ड ऑफ पीस और गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड के और सदस्यों की घोषणा की जाएगी। एनसीएजी डॉ. अली शाथ के नेतृत्व में काम करेगी। डॉ. शा'थ एक तकनीकी विशेषज्ञ (टेक्नोक्रेट) हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अली शाथ गाजा में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं (जैसे पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा) को बहाल करने, नागरिक संस्थाओं को मजबूत करने और रोजमर्रा की जिंदगी को स्थिर करने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

रिपोर्ट– परमानेंट सदस्यता पाने के लिए देशों को एक अरब डॉलर देने होंगे : ट्रम्प की प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' में सदस्यता को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने शनिवार को रिपोर्ट किया कि बोर्ड के ड्राफ्ट चार्टर में कहा गया है कि देशों को परमानेंट सदस्यता पाने के लिए पहले साल में .1 बिलियन (एक अरब डॉलर) की फीस देनी होगी। ट्रम्प तय करेंगे कि किस देश को सदस्य बनने का निमंत्रण मिलेगा। सामान्य सदस्यता 3 साल की होगी, जिसे बाद में रिन्यू किया जा सकता है। अगर कोई देश चार्टर लागू होने के पहले साल में 1 बिलियन से ज्यादा (एक अरब डॉलर) कैश फंड देता है, तो उसकी 3 साल की समय सीमा लागू नहीं होगी यानी स्थायी सदस्यता मिल जाएगी। फंड का इस्तेमाल बोर्ड के खर्चों के लिए होगा, लेकिन कहां-कैसे खर्च होगा, इसकी स्पष्ट डिटेल नहीं है। व्हाइट हाउस ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को गुमराह करने वाला बताया है। व्हाइट हाउस ने कहा, 'यह गुमराह करने वाली रिपोर्ट है। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए कोई न्यूनतम सदस्यता फीस नहीं है। यह सिर्फ उन पार्टनर देशों को स्थायी सदस्यता का ऑफर है जो शांति, सुरक्षा और समृद्धि के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाते हैं।' इस पहल में 'ट्रम्प इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान' भी शामिल है। इसके तहत मिडिल ईस्ट में आधुनिक 'मिरेकल सिटीज' विकसित करने से जुड़े विशेषज्ञों का पैनल बनाकर गाजा के पुनर्निर्माण और विकास की योजना तैयार की जाएगी।

कोर्टरूम में भावुक हुए ब्रिटिश प्रिंस हैरी, बोले- मीडिया ने पत्नी की जिंदगी नर्क बना दी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी बुधवार को लंदन की हाई कोर्ट में गवाही के दौरान भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश मीडिया ने उनकी पत्नी मेगन मार्कल की जिंदगी 'नर्क' बना दी। कई घंटे की सुनवाई के बाद वह आंसू रोकते हुए बाहर निकले। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला डेली मेल अखबार के पब्लिशर के खिलाफ चल रहे मुकदमे से जुड़ा है। हाई कोर्ट में प्रिंस हैरी ने कहा कि मीडिया उनकी निजी जिंदगी में लगातार दखल देता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने वैध स्रोतों के बजाय अवैध तरीकों से उनकी निजी जानकारी जुटाई।

हैरी ने कोर्ट में कहा, 'वे अब भी मेरे पीछे पड़े हैं। उन्होंने मेरी पत्नी की जिंदगी पूरी तरह नर्क बना दी।' प्रिंस हैरी समेत सात मशहूर हस्तियों ने डेली मेल के पब्लिशर एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स लिमिटेड पर मुकदमा किया है। आरोप है कि बीते करीब 20 साल में निजी जानकारी जुटाने के लिए गैरकानूनी तरीके अपनाए गए। पब्लिशर ने सभी आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि विवादित खबरें वैध सोर्स पर आधारित थीं। यह ट्रायल करीब नौ हफ्ते चलने की उम्मीद है। हैरी ने कहा कि मीडिया के लगातार हमलों, उत्पीड़न और नस्लवादी लेखों की वजह से ही उन्होंने और मेगन ने 2020 में शाही जिम्मेदारियां छोड़कर अमेरिका जाने का फैसला किया।

पाकिस्तान : सांसद एक साल तक संपत्ति की जानकारी छिपा सकेंगे; नेशलन असेंबली में बिल पास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने बुधवार को एक बिल पास किया, जिसके तहत सांसद अब अपनी और अपने परिवार की संपत्तियों का ब्योरा एक साल तक सार्वजनिक नहीं कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सांसदों और उनके परिजनों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रावधान तभी लागू होगा, जब यह माना जाए कि किसी सांसद या उसके परिवार की संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा उनकी जान या सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ऐसे मामलों में असेंबली के स्पीकर या सीनेट के चेयरमैन को संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक न करने का अधिकार होगा। हालांकि, सांसद को अपनी संपत्तियों और देनदारियों का पूरा और सही विवरण गोपनीय रूप से चुनाव आयोग को देना अनिवार्य होगा। यह छूट अधिकतम एक साल के लिए दी जा सकेगी। अभी तक नेशनल असेंबली, सीनेट और प्रांतीय विधानसभाओं के सभी सदस्यों को हर साल 31 दिसंबर तक अपनी संपत्तियों और देनदारियों का पूरा विवरण पाकिस्तान के चुनाव आयोग को देना होता है। इसमें जीवनसाथी और आश्रित बच्चों की संपत्तियां भी शामिल रहती हैं। इस बिल का जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने विरोध किया।

पूर्व पीएम ओली ने किया चुनाव में दो-तिहाई बहुमत मिलने का दावा, बालेन पर साधा निशाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव में दो-तिहाई बहुमत का दावा किया है। झापा के कमल गांवपालिका में उन्होंने कहा कि मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से एमाले के पक्ष में है और पार्टी को करीब 70 फीसदी मत मिलने की संभावना है।

बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने साझा निशाना : ओली ने नेपाली कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से कमजोर बताया और कहा कि पूर्व माओवादी दल के मतदाता भी अब एमाले के साथ हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने कहा, भूमिहीनों की बस्तियों पर बुलडोजर चलाने वाले पुनर्वास की पीड़ा नहीं समझ सकते।

चुनाव मैदान में डटे चार पूर्व प्रधानमंत्री : नेपाल में 4 पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली झापा-5 से चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) के पुष्प कमल दहल प्रचंड रुकुम पूर्व से मैदान में हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल व प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से हैं।

4 मंत्रियों का आगामी चुनाव के लिए इस्तीफा : नेपाल में कार्यवाहक पीएम सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। इनमें महाबीर पुन शामिल हैं।?इससे पहले जगदीश खरेल, बबलू गुप्ता और कुलमान घीसिंग भी मंत्री पद छोड़ चुके हैं। नेपाल में आम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में चुनाव की तैयारी, सेना बोली– दिसंबर में चुने जाएंगे राष्ट्रपति

गिनी–बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ देश ने पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए देश में नए चुनावों की तारीख तय कर दी है। जुंटा (सैन्य अधिकारियों का एक समूह जो बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करके देश पर शासन करता है) के नेता जनरल होर्टा इंटा-ए ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति और संसद के चुनाव छह दिसंबर को होंगे। जनरल ने एक आदेश जारी कर कहा कि अब देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए माहौल पूरी तरह तैयार है।

कई बार हुई है तख्तापलट की कोशिश : पिछले साल नवंबर में सेना ने

यहां की सत्ता अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सेना प्रमुख इंटा-ए को एक साल के लिए सरकार चलाने की जिम्मेदारी मिली थी। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। पुर्तगाल से आजादी मिलने के 50 साल बाद भी यहां अक्सर तख्तापलट होता रहता है। पिछले साल अक्टूबर में भी तख्तापलट की एक कोशिश हुई थी।

पश्चिम अफ्रीका कई देशों में हुआ है तख्तापलट : यह देश लैटिन अमेरिका और यूरोप के बीच ड्रग्स की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। जानकारों का कहना है कि इसी वजह से यहां राजनीतिक संकट बना रहता है। साल 2020 के बाद से पश्चिम अफ्रीका के कई देशों में सेना ने सत्ता संभाली है। माली, नाइजर और बुर्किना फासो में भी सेना ने सुरक्षा और बेहतर शासन के नाम पर सरकार गिरा दी थी। पड़ोसी देश गिनी में भी 2021 में जनरल ममादी डौम्बौया ने भ्रष्टाचार खत्म करने के वादे के साथ राष्ट्रपति को हटा दिया था।

क्या वेनेजुएला में मादुरो की वापसी?: सड़कों पर देखे गए समर्थन वाले पोस्टर

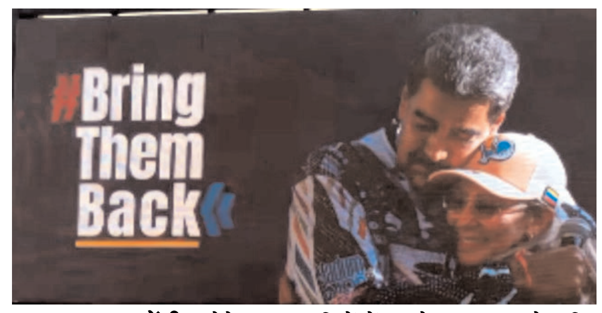

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी काराकास इन दिनों राजनीतिक पोस्टरों से भर गई है। शहर की मुख्य सड़कों, चौराहों, इमारतों और विज्ञापन पट पर लगे पोस्टर में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी की मांग की जा रही है। स्थानीय इलाकों से लेकर व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों तक हर जगह ये पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में मादुरो को देश की स्थिरता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का क्या है कहना : वहीं इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह अभियान मादुरो समर्थक खेमे की संगठित रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इनका उद्देश्य आम जनता के बीच अपने समर्थन को मजबूत करना और राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखना है। खास तौर पर ऐसे समय में, जब देश आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना कर रहा है।

विपक्ष ने बताया राजनीतिक प्रोपेगेंडा : दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने इस तरह के सार्वजनिक प्रचार को एकतरफा राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार दिया है। हालांकि, विरोध के बावजूद काराकास की सड़कों पर फिलहाल मादुरो का चेहरा ही सबसे प्रभावी नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि यह दृश्य वेनेजुएला की राजनीति और जनमत पर कितना असर डालता है।

क्या है विवाद : यह विवाद मुख्य रूप से नार्को-टेररिज्म और सत्ता की वैधता को लेकर है। अमेरिका ने मादुरो पर दशकों से ड्रग तस्करी करने और 'कार्टेल ऑफ द संस' जैसे समूहों के जरिए अमेरिका में कोकीन भेजने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, अमेरिका उन्हें एक अवैध तानाशाह मानता है। अमेरिका का कहना है कि मादुरो चुनावों में धांधली कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा। वर्तमान में मादुरो न्यूयॉर्क की जेल में हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं।

अमेरिका ने की थी कार्रवाई : बता दें कि अमेरिकी सेना ने तीन जनवरी 2026 को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' के तहत एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था। इस ऑपरेशन में करीब 150 लड़ाकू विमानों और विशेष सैन्य बलों (डेल्टा फोर्स) का इस्तेमाल किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मादुरो को सीधे न्यूयॉर्क ले जाया गया था।

ट्रंप की जी हुजूरी में बुरे फंसे शहबाज शरीफ, गाजा बोर्ड पर पाकिस्तानियों ने ही किया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने का खामियाजा पाकिस्तान को घर में ही भुगतना पड़ सकता है। खबर है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार के इस फैसले से कई बड़े नेता नाराज नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से न्योता स्वीकार किए जाने को नैतिक रूप से गलत करार दिया जा रहा है। हालांकि, रक्षा मंत्री आसिफ ख्वाजा ने फैसले का बचाव किया है।

सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने पीस बोर्ड को शुरुआत से ही गलत बताया है। उन्होंने कहा, 'ऐसे इंतजाम सिर्फ कामकाज संभालने तक ही सीमित नहीं रहते।' उन्होंने कहा, 'यह पहल शुरू से ही गलत थी। इसे जंग के बाद गाजा को बाहरी लोगों द्वारा चलाने के लिए बनाया गया था, जो असल में फिलिस्तीनी लोगों से उनका खुद का राज चलाने का अधिकार छीन लेता है। जब गाजा को फिर से बनाने, उसकी सुरक्षा और राजनीति की जिम्मेदारी बाहरी लोगों को दे दी जाती है, तो यह नए जमाने की गुलामी जैसा लगता है। तहरीक ए तहफ्फुज ए आईन ए पाकिस्तान के नेता मुस्तफा नवाज खोकर भी इस फैसले से नाराज नजर आ रहे हैं। उन्होंने सरकार पर बगैर चर्चा के फैसला लेने के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा, 'यह तथाकथित 'बोर्ड ऑफ पीस' गाजा पर राज करने और ह के मुकाबले एक दूसरा सिस्टम खड़ा करने की एक कोशिश है, जो पुराने दौर की गुलामी जैसा

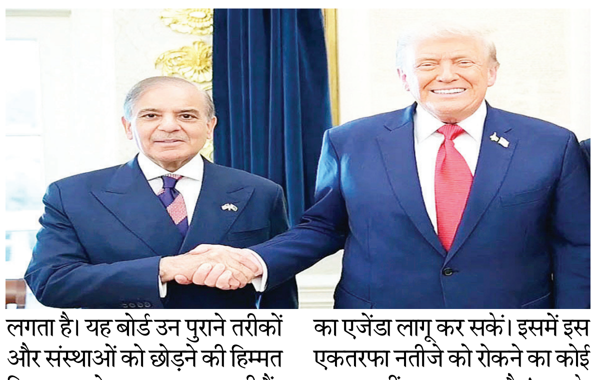

लगता है। यह बोर्ड उन पुराने तरीकों और संस्थाओं को छोड़ने की हिम्मत दिखाएगा जो अक्सर नाकाम रही हैं। इसकी अपनी भाषा में कहें तो, यह शांति बनाने वाली एक ज्यादा फुर्तीली और असरदार अंतरराष्ट्रीय संस्था होगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस बोर्ड के नियम ट्रंप को असीमित ताकत देते हैं, ताकि वे बिना किसी रोक-टोक के अपना और अमेरिका का एजेंडा लागू कर सकें। इसमें इस एकतरफा नतीजे को रोकने का कोई रास्ता नहीं रखा गया है।' इनके अलावा अमेरिका में पाकिस्तान की राजदूत रह चुकीं मलीहा लोधी, पत्रकार जाहिद हुसैन जैसे कई नामों ने पाकिस्तान सरकार के कदम पर सवाल उठाए हैं।

सरकार ने किया बचाव : एक इंटरव्यू के दौरान आसिफ ने कहा था कि बोर्ड में बड़े देशों और न्योता भेजा गया था और पाकिस्तान को ऐसे किसी भी समूह का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'अगर हम इस चर्चा या मंच से दूर रहते हैं, तो जो भी फैसले लिए जाएंगे उनमें हमारी कोई अहमियत नहीं रह जाएगी। अगर हम वहां मौजूद रहेंगे, तो हम अपने फिलिस्तीनी भाइयों के लिए और भी बेहतर तरीके से आवा उठा सकेंगे।' उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान को इस फोरम का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए।

शेख हसीना पर देशद्रोह केस में 9 फरवरी को अगली सुनवाई, युनुस सरकार को गिराने की साजिश का आरोप :

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत शेख हसीना के खिलाफ दर्ज देशद्रोह मामले में 9 फरवरी को अगली सुनवाई करेगी। यह मामला दिसंबर 2024 में हुई एक ऑनलाइन बैठक 'जय बांग्ला ब्रिगेड' से जुड़ा है। आरोप है कि दिसंबर 2024 में शेख हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों नेताओं ने 'जय बांग्ला ब्रिगेड' नाम के एक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था। बैठक में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश रची गई थी। केस में कुल 286 आरोपी हैं, जिनमें से ज्यादातर फरार हैं। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को छात्र आंदोलन के बाद देश छोड़कर भारत चली आई थीं। नवंबर 2025 में एक बांग्लादेश की विशेष ट्रिब्यूनल ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध और अन्य मामलों में फांसी की सजा सुनाई थी।

मिल सकती है फूलों-सी कोमल काया

शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती हैं तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पडता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती हैं उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहें। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करें। आप अगर खुश रहेंगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें, साथ ही यहां दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करें। इससे आपकी त्वचा कांतिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहें दूर

तनाव कई प्रकार के होते हैं। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती हैं और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पडता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरें। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करें भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती हैं। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करें कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पडता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती हैं उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती हैं। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुडियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोडा-थोडा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करें।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करें। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती हैं और खुश रहती हैं तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फ आपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती हैं कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करें। फिर ऐसे ही छोड दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं। फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करें। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती हैं तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती हैं।

कुकुम्बर सबमरीन

सामग्री : 5 ककड़ी, 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1 छोटी गाजर कद्दूकस की हुई, 1 शिमला मिर्च, 1 बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि : ककड़ी को छीलकर बीच में से लंबाई में काटकर उसके दो टुकड़े कर लें और अंदर का गूदा निकाल लें। अब ककड़ी का गूदा पनीर, कटी हुई शिमला मिर्च, टमाटर व गाजर- इन सबको मिला लें। नमक व कालीमिर्च डालें और फिर इस मिश्रण को ककड़ी में भर दें।

हेयर स्टाइल से जगाएं आत्मविश्वास

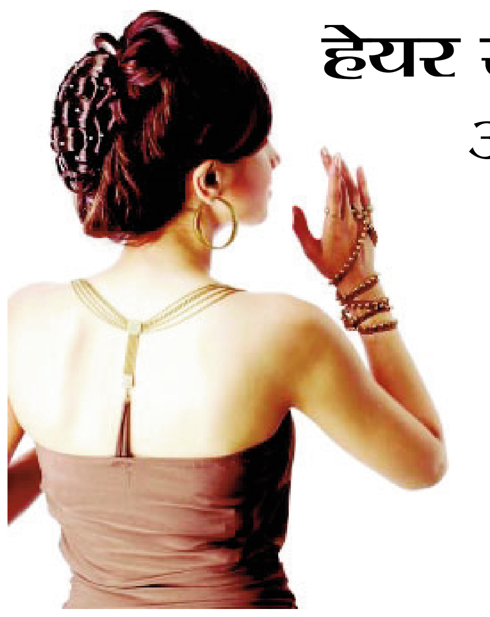

बाल चाहे किसी भी प्रकार के हों, उनका सुंदर और स्वस्थ होना आपमें आत्मविश्वास पैदा करता है। सही ढंग से संवारे गए बाल भी आपको बेहतर रूप प्रदान करते हैं। शर्त यह है कि वह आपके व्यक्तित्व पर सूट करते हों। कैसा हेयर स्टाइल चलन में है, इसे लेकर परेशान होने से बेहतर होगा कि ऐसा हेयर स्टाइल अपनाएं, जो आपके व्यक्तित्व के अनुकूल हो और आप जिसे संभाल व संवार सकें। कोई नया स्टाइल तभी अपनाएं जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ रख सकें।

- बालों के स्टाइल के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यही तीन-चार प्रकार के स्टाइल चलन में हैं। हर तरह के स्टाइल आज चलन में हैं। आप अपने बाल कैसे संवारें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपके सौंदर्य को बढा रहा है या फिर घटा रहा है।
- स्ट्रेट बाल आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सेमी या परमानेंट स्ट्रेटंनग करा सकती हैं। इसके बाद बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। दरअसल, बालों में किसी भी तरह का केमिकल इस्तेमाल होने से वे कमजोर और पहले से अधिक रूखे हो जाते हैं। उनकी कंडीशनिंग बहुत आवश्यक होती है।
- हलके घुंघराले बालों को खुला छोडा जा सकता है। यह स्टाइल वेस्टर्न आउट फिट्स पर जंचता है।
- बाल लंबे और सीधे हों तो उन्हें खुला भी छोड सकती हैं या फिर पोनी भी बना सकती हैं।
- शाम के किसी कार्यक्रम के लिए फ्रेंच बन भी अच्छा लगता है।

बिंदास आर्टिफिशियल कड़े

आजकल आर्टिफिशल कड़ें महिलाओं को काफी लुभा रहे हैं। अब ये हर रंग हर डिजाइन में मार्केट में उपलब्ध है, जिन्हें आप अपने ड्रेस को साथ मैचिंग कर पहन सकती हैं। बेशक सोने और हीरे के कंगन महिलाओं का पसंदीदा आभूषण रहा है, लेकिन इनकी भी महत्ता कम नहीं है। कॉलेज जानेवाली लड़कियां ही नहीं, शादीशुदा युवा महिलाएं भी आर्टिफिशल कड़ों से बिंदास लुक पाती हैं। तरह-तरह के डिजाइन, आकार व कार्विंग लिए ये कड़े देखने में बेहद ट्रेंडी और लुभावने लगते हैं। विभिन्न राज्यों में बनाये जा रहे मेटल, लाख व मोती जड़ित इन कड़ों की अपनी अलग ही दुनिया है। अपनी कलाई के सौंदर्य को और भी निखारने के लिए आप भी इन्हें पहन सकती हैं। साथ ही प्रिंटेड, पेंटिंग लिए व सॉटर्न के धागों में लिपटे ये कड़े बेहद खूबसूरत लगते हैं। आपकी साड़ी या सूट से मैच करते हुए ये कड़े आपको फैशनेबल बनायेंगे, इसमें कोई शक नहीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1966

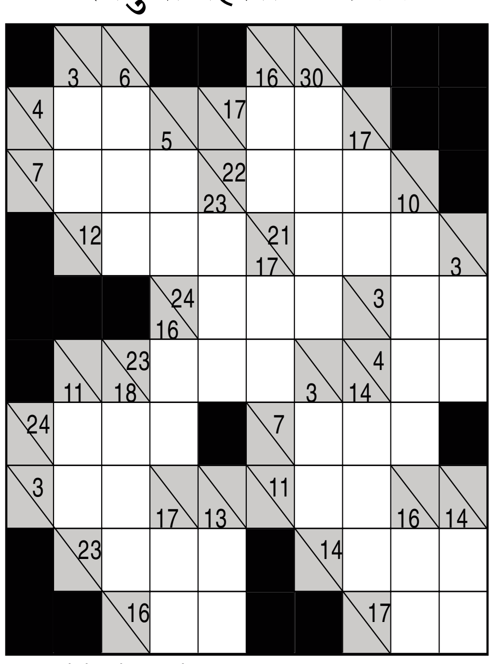

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

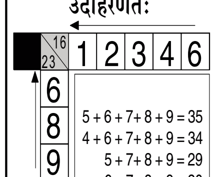

काकुरो - 1965 का हल

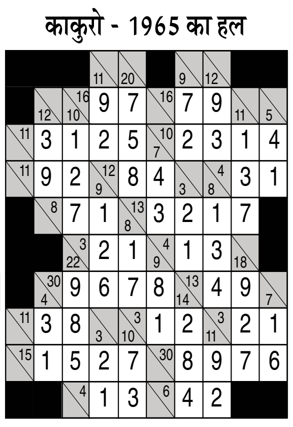

हंसी के फूव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा- 'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था, एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.' दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला- 'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला- 'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक- 'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर- 'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1966

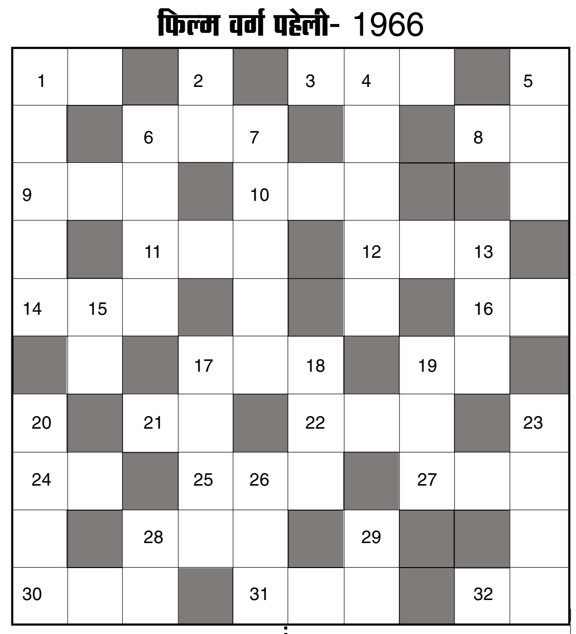

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू. रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1965

सूडोकु -1966

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1965 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 1966

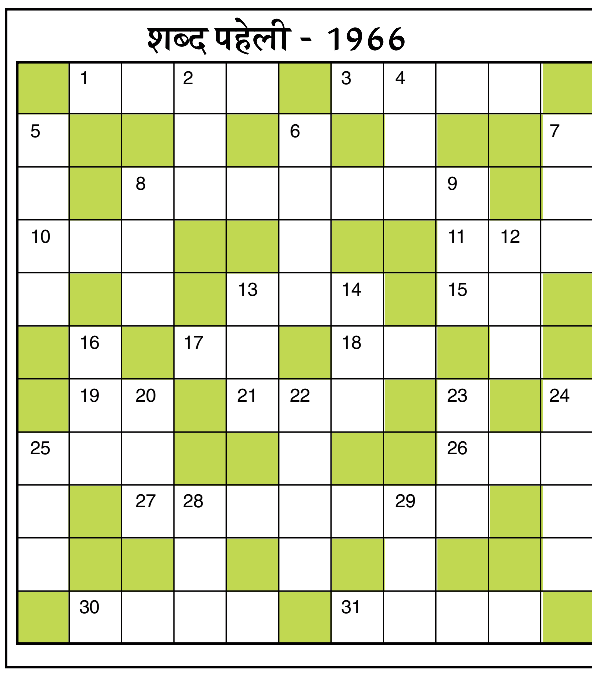

बाएँ से दाएँ

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली - 1965 का हल

बर्फबारी के चलते माता वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित

एजेंसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में लगातार भारी बारिश और बर्फबारी जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और एहतियाती कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा कारणों से कटरा में माता वैष्णो देवी के मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई है। तीर्थयात्रियों को कटरा में ही रुकने के लिए कहा गया है और अगले आदेश तक किसी भी यात्री को बेस कैंप से मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमित शाह ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन किया। साथ ही पराक्रम दिवस का स्मरण किया । अमित शाह ने एक्स पर कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐसा नाम हैं, जिनके स्मरण मात्र से ही मन में देशप्रेम का ज्वार उमड़ पड़ता है। उन्होंने युवाओं को संगठित कर आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से प्रथम सैन्य अभियान चलाया और वर्ष 1943 में अंडमान-निकोबार में तिरंगा फहराकर आजाद भारत की घोषणा की। गृहमंत्री ने कहा कि नेताजी का जीवन और उनके पराक्रम की गाथाएं प्रत्येक युवा को पढ़नी चाहिए, ताकि राष्ट्ररक्षा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने नेताजी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित किया। अमित शाह ने आगे कहा कि आज पूरा देश मां भारती के महान सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति में पराक्रम दिवस मना रहा है। नेताजी जैसे व्यक्तित्व बहुत कम जन्म लेते हैं। उन्होंने अनेक कष्टों और संघर्षों को सहते हुए जर्मनी से लेकर रूस और जापान तक हजारों किलोमीटर की यात्रा की, जो देश को आज़ाद कराने की उनकी अदम्य जिजीविषा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस का त्यागपूर्ण जीवन और विशाल व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों को देश के प्रति संघर्ष, समर्पण और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व अर्पण करने की प्रेरणा देता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने शौर्य और मानवता का संदेश दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज शौर्य और मानवता के मूल्यों को रेखांकित करते हुए एक प्रेरणादायी संस्कृत श्लोक साझा किया। उन्होंने कहा कि सच्चा पराक्रम दूसरों के प्राणों की रक्षा में निहित होता है, न कि उन्हें हर लेने में।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'एतदेव परं शौर्यं यत् परप्राणरक्षणम्। नहि प्राणहरः शूरः शूरः प्राणप्रदोऽर्थिनाम्॥ इस श्लोक के माध्यम से उन्होंने यह संदेश दिया कि जो दूसरों की रक्षा करता है वही वास्तविक शूरवीर होता है, जबकि प्राण हरने वाला कभी वीर नहीं कहलाता। प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय संस्कृति और परंपरा की आत्मा बताते हुए कहा कि हमारा देश सदैव करुणा, सेवा और संरक्षण के मार्ग पर चला है।

प्रधानमंत्री मोदी 14 फरवरी को फिर आ सकते हैं असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 14 फरवरी को एक बार फिर असम दौरे पर आने की संभावना है। इस दौरान प्रधानमंत्री राज्य को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। मुख्यमंत्री फेसबुक लाइव के अनुसार, प्रधानमंत्री गुवाहाटी-नॉर्थ गुवाहाटी पुल का उद्घाटन करेंगे। इस पुल के चालू होने से ब्रह्मपुत्र नद के दोनों तटों के बीच आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा गुवाहाटी महानगर की यातायात व्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी। डॉ. सरमा ने बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी का भी औपचारिक शुभारंभ करेंगे, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि वे मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर विमान लैंडिंग के लिए निर्मित एडवांस्ड हाइवे पर विमान के माध्यम से उतरें। यह हाइवे आपातकालीन और रणनीतिक जरूरतों के लिए तैयार किया गया है, जो असम की बुनियादी ढांचे की क्षमता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बालासाहेब ठाकरे की जयंती पर पुण्य स्मरण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बालासाहेब ठाकरे की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने स्मृतिशेष बालासाहेब से मुलाकात के दो फोटो भी साझा किए। उन्होंने लिखा, '' महानतम बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी पर हम एक ऐसी महान हस्ती को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिन्होंने महाराष्ट्र के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को गहराई से आकार दिया।'' प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, '' अपनी कुशाग्र बुद्धि, प्रखर भाषण कला और अटूट विश्वास के लिए प्रसिद्ध बालासाहेब का लोगों के साथ एक अनोखा जुड़ाव था। राजनीति के अलावा बालासाहेब को संस्कृति, साहित्य और पत्रकारिता से भी गहरा लगाव रहा। एक कार्टूनिस्ट के तौर पर उनका करियर समाज पर उनकी गहरी नजर और विभिन्न मुद्दों पर उनकी निडर टिप्पणी को दर्शाता है।''

गणतंत्र दिवस : कर्तव्य पथ पर 30 झांकियां, 17 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों और 13 मंत्रालयों की दिखेगी झलक

एजेंसी

नई दिल्ली। इस बार 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर देश की विविधता, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की झलक दिखाने वाली कुल 30 झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। इनमें 17 झांकियां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की तथा 13 झांकियां विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और सेवाओं की होंगी। झांकियों की व्यापक थीम स्वतंत्रता का मंत्र वंदे मातरम् और समृद्धि का मंत्र आत्मनिर्भर भारत रखी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि झांकियों के माध्यम से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने, आजादी के मूल विचारों और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश की तेज प्रगति को दर्शाया जाएगा। झांकियों में भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ आधुनिक विकास, तकनीकी नवाचार और सामाजिक बदलाव की तस्वीर भी

दिखाई देगी। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शिव कुमार ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड की झांकियां केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं हैं, बल्कि यह देश की सामूहिक सोच, आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदम और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर झांकियों के माध्यम से आजादी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। मंत्रालय के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि झांकियों की विषयवस्तु इस तरह तैयार की गई है, जिससे भारत की समृद्ध विरासत के साथ-साथ आधुनिक विकास, तकनीकी नवाचार और सामाजिक परिवर्तन की झलक साफ दिखाई दे। आत्मनिर्भर भारत की सोच को हर झांकी में किसी न किसी रूप में दर्शाया गया है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की झांकियों में असम की अशारिकांडी टेराकोटा शिल्प कला, छत्तीसगढ़ की झांकी में वंदे मातरम् के माध्यम से स्वतंत्रता की भावना, गुजरात की झांकी में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश, हिमाचल प्रदेश की देवभूमि और वीरभूमि की पहचान, तथा जम्मू-कश्मीर की झांकी में वहां के हस्तशिल्प और लोकनृत्य को दिखाया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को की पुष्पांजलि अर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाई जाती है। ऐसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नेताजी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और भारत की स्वतंत्रता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पराक्रम का सच्चा प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आजाद हिंद फौज के संस्थापक और महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'जय हिंद' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे नारों के माध्यम से देश में क्रांति की चेतना जगाने वाले नेताजी को याद किया।

उन्होंने कहा कि मातृभूमि के प्रति नेताजी का समर्पण और सांप्रदायिकता के खिलाफ उनका दृढ़ रुख आज भी प्रेरणास्त्रोत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नेताजी को महान क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि उनके साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व ने देश को स्वतंत्रता के मार्ग पर अग्रसर किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी को भारत माता का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि आजाद हिंद फौज की स्थापना कर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने प्रदेशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं।

नोएडा में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, 6 से अधिक स्कूल बंद, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

नोएडा । नोएडा में शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के कई नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए। सुरक्षा को लेकर एहतियातन कदम उठाते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की और संबंधित स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। पुलिस और बम निरोधक दस्ता (बम डिस्पोजल स्क्वायड) मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव नादर, फादर एग्नेल स्कूल नोएडा, आर्मी पब्लिक स्कूल, श्रीराम मिलेनियम स्कूल और रामाज्ञा स्कूल को धमकी भरे ई-मेल भेजे गए हैं। इन स्कूलों के अलावा अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी इसी तरह के मेल मिलने की सूचना है, जिससे कुल मिलाकर नोएडा के आधा दर्जन से अधिक स्कूल प्रभावित बताए जा रहे हैं। रामाज्ञा स्कूल ने स्पष्ट किया है कि स्कूल को ई-मेल के माध्यम से बम की धमकी मिली है। एहतियातन स्कूल को बंद कर दिया गया है और छात्रों की सुरक्षित डिस्पर्सल प्रक्रिया शुरू की गई। स्कूल बसों को वापस भेज दिया गया, जबकि वॉकर छात्रों के अभिभावकों से तुरंत बच्चों को लेने आने की अपील की गई। कक्षा

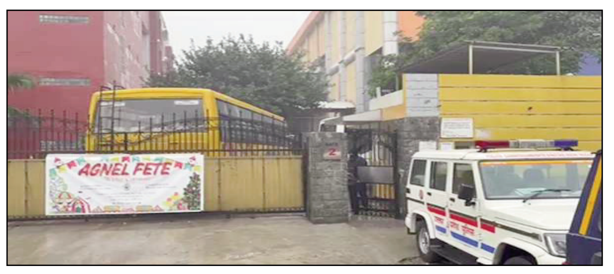

1 से 5 तक के छात्रों की छुट्टी सुबह 10:30 बजे और कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों की छुट्टी 10:45 बजे निर्धारित की गई। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों से घबराने की जरूरत न बताते हुए कहा कि सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय पहले से लागू हैं। वहीं फादर एग्नेल स्कूल, नोएडा द्वारा जारी सूचना में बताया गया कि स्कूल को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एहतियातन प्री-स्कूल को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया है। स्कूल बस सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं और ऑनलाइन कक्षाएं भी नहीं होंगी। सूत्रों के अनुसार आर्मी पब्लिक स्कूल को भी इसी तरह का धमकी भरा मेल मिला, जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी और छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बम निरोधक दस्ता सक्रिय हो गए। स्कूल परिसरों की सघन जांच की जा रही है और साइबर टीम ई-मेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

गुजरात के अहमदाबाद में 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर के करीब 15 स्कूलों को शुक्रवार 23 जनवरी को तड़के ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसको लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है और पुलिस टीमों ने इन स्कूलों की सघन तलाशी शुरू कर दी है। इस धमकी में अहमदाबाद के संत कबीर स्कूल की 3 शाखाएं, बोपल स्थित डीपीएस, नवरंगपुरा की सेंट ज़ेवियर्स लोयोला, घाटलोडिया की केलोरैक्स स्कूल और वस्त्रापुर की स्वयम स्कूल को निशाना बनाया गया है।

हालांकि अभी तक इस बारे में पुलिस की ओर से कोई आधिधारिक बयान नही आया है। सुबह स्कूल शुरू होने के कुछ ही समय बाद इन स्कूलों के प्रशासन को बम की धमकी वाला ई-मेल प्राप्त हुआ। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने बिना देर किए पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूलों ने अभिभावकों को मैसेज और फोन कॉल के जरिए तुरंत बच्चों को घर ले जाने को कहा।

अचानक स्कूल से बच्चों को लेने का संदेश मिलते ही बड़ी संख्या

में अभिभावक स्कूल पहुंच गए। बोपल स्थित डीपीएस स्कूल ने भी अभिभावकों को मैसेज भेजकर बच्चों को लेने के लिए कहा। यहां अभिभावकों से सहमति पत्र (कंसेंट फॉर्म) भरवाया गया, जिससे कई अभिभावक परेशान और घबराए नजर आए। बम की धमकी के बीच इस तरह की प्रक्रिया से अभिभावकों में दहशत और बढ़ गई।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि धमकी भेजने वाला व्यक्ति खालिस्तान समर्थक विचारधारा से जुड़ा बताया जा रहा है। इस धमकी भरे ई-मेल में लिखी गई कुछ आपत्तिजनक बातें इस प्रकार हैं-

गुजरात खालिस्तान का दुश्मन है...। अपने बच्चों को बचा लो।

26 जनवरी को स्कूलों में भारतीय तिरंगा मत फहराना।

खालिस्तान-बांग्लादेश जिंदाबाद...।

शिमला और मनाली में मौसम की पहली बर्फबारी, नजारों का लुत्फ उठाने बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटक

एजेंसी

शिमला/मनाली । हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और मनाली में शुक्रवार को इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। इससे सड़कें और पहाड़ पूरी तरह से सफेद हो गए। बर्फ से ढके नजारों का मजा लेने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी पहुंचे हैं। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, 'शिमला और इसके आसपास के इलाकों में सुबह से बर्फबारी हो रही है। यह शिमला शहर में इस मौसम की पहली बर्फबारी है।' मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शिमला में बर्फीले नजारे एक-दो दिन तक रहेंगे। अधिकारी ने कहा, 'लाहौल-स्पीति, चंबा, कुल्लू, किन्नौर, सिरमौर, मंडी और शिमला जिलों के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हो रही है। '

शिमला के पास कुफरी और नारकंडा जैसी जगहों पर भी बर्फबारी हो रही है, जिससे ये टूरिस्ट डेस्टिनेशन और भी खूबसूरत हो गए हैं। अपने

दोस्तों के साथ शिमला घूमने आई पंजाब के लुधियाना की एक पर्यटक निधि गुप्ता ने कहा, 'हम इस सफेद चादर के लिए भगवान के शुक्रगुजार हैं। ' कांगड़ा घाटी की शानदार धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं पर बर्फ की ताज़ी चादर बिछ गई है। राज्य की राजधानी से लगभग 250 किमी दूर कल्पा और लाहौल व स्पीति जिले के केलांग में भारी बर्फबारी हुई।

इसके अलावा, राज्य के निचले इलाकों जैसे धर्मशाला, पालमपुर, सोलन, नाहन, बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और मंडी शहरों में बारिश हुई, जिससे तापमान में काफी गिरावट आई। बर्फबारी से किसानों और फल उत्पादकों को राहत मिली है, जिनके बाग पिछले तीन महीनों से अत्यधिक सूखे की स्थिति के कारण तनाव में थे।

इसी बीच, शिमला से 10 किमी दूर ढल्ली से आगे ट्रैफिक रोक दिया गया, क्योंकि भारत-तिब्बत रोड का एक बड़ा हिस्सा बर्फ की मोटी चादर से ढका हुआ था। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बर्फबारी के कारण पूरा किन्नौर जिला और शिमला जिले के नारकंडा, जुब्बल, कोटखाई, कुमारसैन, खरापत्थर, रोहड़ू और चौपाल जैसे शहर कट गए हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ, जो भूमध्य सागर-कैस्पियन सागर क्षेत्र से शुरू होने वाला और अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र से गुजरने वाला एक तूफानी सिस्टम है, रविवार तक सक्रिय रहेगा, जिससे और बारिश और बर्फबारी होगी।

मां छिन्नमस्तिका दरबार में नौसेना प्रमुख ने टेका मत्था, आस्था के संग सुरक्षा का दिया संदेश

एजेंसी

रामगढ़। भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी वसंत पंचमी के अवसर पर रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। वह माता का दर्शन कर देश की सुख समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। उन्होंने कहा कि छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा करने के बाद उन्होंने नई ऊर्जा का आभास किया है। इस बार मां के बुलावे पर मैं आ पाया हूं। अगली बार यहां की संध्या आरती करने की तमन्ना दिल में लेकर जा रहा हूं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और अच्छे हाथों में है। भारत की ओर बुरी नजर से देखने वालों की खैर नहीं। जल सुरक्षा पर बात करते हुए उन्होंने कहाकि भौगोलिक संरचना में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा जल क्षेत्र से जुड़ा है। नौसेना हर उस जगह पहुंच सकती है जहां पानी है। जहां-जहां भारतीय नौसेना तैनात है,वहां पूरी सतर्कता और मजबूती के साथ निगरानी रखी जा रही है।

सनातन के शत्रुओं से लड़ने की जरूरत, आपस में न उलझें, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर बोले रामदेव

एजेंसी

अयोध्या । योग गुरु बाबा रामदेव ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के विषय को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं का एकजुट रहना जरूरी है, क्योंकि सनातन के शत्रु पहले से ही बहुत हैं। कोई इस्लामीकरण कर रहा है तो कोई गजवा-ए-हिंद में लगा है। इसलिए सनातन के शत्रुओं से लड़ना चाहिए, आपस में न लड़ें। प्रयागराज माघ मेला में स्नान के बाद अयोध्या में दर्शन करने पहुंचे बाबा रामदेव ने कहा, 'हम शंकराचार्य को भगवान का रूप मानते हैं और हम उम्मीद करते हैं कि कोई भी शंकराचार्य किसी विवाद में शामिल न हो।' योग गुरु ने कहा, 'अब एक संत विवाद कैसे खड़ा कर सकता है? कम से कम धार्मिक स्थलों और तीर्थ स्थलों पर किसी भी संत को किसी विवाद में शामिल नहीं होना चाहिए। यहां न स्नान का और न पालकी का विवाद होना चाहिए।' बाबा रामदेव ने यह भी कहा कि वह साधु किस बात का, जो अहंकार करे। साधु वही बनता है, जिसने अपने अपमान को मिटा दिया। 17 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती प्रयागराज मेघा मेला में संगम घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। पूरे लाव-लश्कर के साथ वह अपनी पालकी

पर आए थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें बिना रथ के आगे बढ़ने को कहा। इसी बात पर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और मेला व्यवस्था में जुटे कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ था। बाद में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि उनके साथ यह व्यवहार जानबूझकर किया गया है। विवाद उस समय और बढ़ा, जब अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में ही धरने पर बैठ गए।

बाबा रामदेव ने अपने अयोध्या दौरे पर कहा, 'सनातन सिर्फ शब्दों और प्रवचनों में नहीं है। यह हमारे जीवन में उतरे, हम राम की मर्यादाओं पर चलें, इसी संकल्प के साथ अयोध्या में दर्शन करने आए हैं। ' इससे पहले, रामदेव ने माघ मेला में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि यहां आकर मुझे एक दिव्य अनुभव हुआ है। प्रयागराज 'तीर्थराज' है। माघ मेले के दौरान लाखों सनातनी यहां 'तपस्या' करते हैं। यहां आकर मेरा मन प्रसन्न हो गया है और मैंने यहां पूजा-अर्चना की।

दिल्ली क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में क्राइम ब्रांच और कुख्यात बदमाशों के बीच गुरुवार रात एक बार फिर मुठभेड़ की घटना सामने आई है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग से जुड़े दो शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के शूटर एक सफेद रंग की आई-20 कार में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में इलाके से गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में घेराबंदी कर संदिग्ध कार की पहचान कर उसे रोकने की कोशिश की। जैसे ही पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया, कार में सवार आरोपियों ने भागने की कोशिश की। इसी दौरान आरोपी विक्की उर्फ मोगली ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से दो राउंड फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पुलिस टीम ने संयम और सतर्कता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की।

झारखंड में एक करोड़ का इनामी अनल सहित 15 नक्सली ढेर

एजेंसी

रांची। पुलिस महानिदेशक, झारखंड और महानिदेशक, सीआरपीएफ के संयुक्त नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान मेगाबुरू के तहत सुरक्षा बलों को पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) के सारंडा जंगली क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी सफलता मिली है। इस मुठभेड़ में उच्च इनामी नक्सली मारे गए हैं। आईजी अभियान माइकल राज एस और आईजी सीआरपीएफ साकेत सिंह ने संयुक्त रुप से पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता में बताया कि किरीबुरू थाना क्षेत्र के अंतर्गत इस अभियान में 209 कोबरा, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल की संयुक्त टीम ने शीर्ष माओवादी अनल उर्फ पतिराम मांझी के सशस्त्र दस्ते के साथ गुरुवार की सुबह करीब 6:30 बजे से कई दौर की मुठभेड़ हुई। नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन जवानों ने आत्मरक्षा में प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान अब तक 15 नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। साथ ही, भारी मात्रा में हथियार और दैनिक उपयोग की सामग्री भी जब्त की

गई है। प्रारंभिक जांच में मृत नक्सलियों में से 13 की पहचान हो चुकी है, जिनमें अधिकांश उच्च इनामी उग्रवादी शामिल हैं। मारे गए प्रमुख नक्सलियों में सबसे बड़ा नाम अनल उर्फ पतिराम मांझी (सीसीएम) का है, जिस पर झारखंड में एक करोड़ रुपये, ओडिशा में एक करोड़ 20 लाख रुपये और एनआईए की ओर से 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। उसके नाम पर कुल 149 अपराधिक मामले दर्ज हैं।

मारे गए नक्सलियों की सूची

-अनमोल उर्फ सुशांत (बीजेएसएसी): 25 लाख (झारखंड), 65 लाख (ओडिशा), कुल 90 लाख; 149 कांड

-अमित मुंडा (आरसीएम): 15 लाख (झारखंड), 43 लाख (ओडिशा), 4 लाख (एनआईए), कुल 62 लाख, 96 कांड

-पिंटू लोहरा (एसजेडसी): 5 लाख (झारखंड); कुल 47 कांड

-लालजीत उर्फ लालू (एसजेडसी): 5 लाख (झारखंड)

-राजेश मुंडा (एसीएम): कुल 14 कांड

-बुलबुल अलदा (एसीएम): कुल 8 कांड

-बबीता (एसीएम): कुल 16 कांड

-पूर्णिमा (एसीएम): कुल 5 कांड

-सुरजमुनी (कैडर)

-जोंगा (कैडर)

-समीर सोरेनः 5 लाख

-सोमवारी (कैडर)

मारे गए सभी नक्सली कोल्हान के सारंडा जंगल में सक्रिय थे और पिछले तीन वर्षों से सुरक्षा बलों पर हमलों में प्रमुख भूमिका निभा रहे थे। विशेष रूप से 2022 से अब तक सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों की ओर से किए गए विस्फोटों और हिंसक कार्रवाइयों में अनल उर्फ पतिराम मांझी का हाथ प्रमुख था। अनल दा गिरिडीह जिले का निवासी था और लंबे समय से सारंडा के घने इलाकों में छिपकर संगठन की रणनीति तैयार कर रहा था।

फिजियोथेरेपिस्ट 'डॉ' उपसर्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे, केरल कोर्ट के फैसले का आई एपी ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने फिजियोथेरेपिस्टों के हक में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। यह फैसला भारतीय फिजियोथेरेपी एसोसिएशन (आई एपी) के पक्ष में आया है, जो इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन द्वारा दायर याचिका के खिलाफ था। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब योग्य फिजियोथेरेपिस्ट 'डॉ' उपसर्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं और वे बिना किसी अनावश्यक रोक-टोक के स्वतंत्र रूप से इलाज करने के लिए अधिकृत हैं। अदालत ने साफ किया कि फिजियोथेरेपी एक वैज्ञानिक, प्रमाण-आधारित और स्वतंत्र स्वास्थ्य पेशा है। आई एपी के अध्यक्ष प्रो. डॉ संजीव के. झा ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे भारत में

फिजियोथेरेपिस्टों की पेशेवर पहचान, स्वायत्तता और सम्मान को कानूनी मान्यता मिली है। अदालत ने आई एपीएम आर की सभी दलीलों को खारिज कर दिया। यह फैसला देशभर के लाखों फिजियोथेरेपिस्टों और छात्रों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने मीडिया को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में अहम भूमिका निभाते हैं। बीमारी की रोकथाम, इलाज और शारीरिक क्षमता को वापस लाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रो. डॉ झा ने कहा कि यह फैसला केवल कानूनी जीत नहीं, बल्कि पूरी फिजियोथेरेपी बिरादरी की सामूहिक जीत है। इससे मरीजों को बेहतर और आसान इलाज मिलेगा, नैतिक और स्वतंत्र प्रैक्टिस को बढ़ावा मिलेगा, और शिक्षा व शोध को भी मजबूती मिलेगी। भारतीय फिजियोथेरेपी एसोसिएशन ने इस फैसले को भारत में फिजियोथेरेपी के इतिहास का एक अहम पड़ाव बताया है। संगठन ने एनसीएएचपी देशभर के फिजियोथेरेपिस्टों, शिक्षकों, छात्रों और सभी समर्थकों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस संघर्ष में एकजुट होकर साथ दिया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : जीत का सिलसिला जारी रखने उतरगी भारतीय अंडर 19 टीम

बुलावायो (एजेंसी)। इंडिया अंडर19 और न्यूज़ीलैंड अंडर19 के बीच शनिवार को होने वाला ग्रुप-स्टेज का मुकाबला क्रिकेट से कहीं ज्यादा होने वाला है। यह मुकाबला स्किल, हिम्मत और अनप्रेडिक्टेबल होने वाला है। इंडिया अंडर-19 का मुकाबला न्यूज़ीलैंड की टीम से है जो बारिश से बाधित मैचों के कारण मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष कर रही है।

इंडिया अंडर-19 अपने दोनों ग्रुप मैच पहले ही जीत चुका है और अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। आयुष म्हात्रे की लीडरशिप वाली युवा टीम में टैक्टिकल स्किल के साथ वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों की इंडिविजुअल काबिलियत का मेल है। उनके इन-फॉर्म बॉलर, जिनमें हेनिल पटेल और खिलन पटेल शामिल हैं, एक खतरनाक बढ़त देते हैं, जिससे इंडिया मैच में फेवरेट बन जाता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड अंडर19 अपने पिछले मैचों में भारी बारिश के कारण बहुत कम मैच एक्सपीरियंस के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। उनके टॉप-ऑर्डर बैट्समैन और टॉम जोन्स और कैलम सैमसन जैसे खास बॉलर, इंडिया के मजबूत अटैक को संभालने और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब की बॉलर-फ्रेंडली और अनप्रेडिक्टेबल पिच पर एडजस्ट करने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

इस ड्रामा को और बढ़ाने वाली बात यह है कि आंधी-तूफान और लगातार बारिश खेल में रुकावट डाल सकती है, जिससे मैच का रोमांच बढ़ जाएगा और फैंस सोच में पड़ जाएंगे कि मैच पूरी तरह से होगा या एक हाई-इंटेंसिटी, छोटा मुकाबला बनकर रह जाएगा। खेल का दबदबा, मौसम का ड्रामा और कुछ लोगों के दमदार प्रदर्शन का यह मेल इस मैच को जरूर देखने लायक बनाता है।

इंडिया के इन-फॉर्म बॉलर न्यूजीलैंड की बारिश से प्रभावित बैटिंग लाइनअप को परखेंगे, जबकि सुपर सिक्स स्टेज से पहले इंडिया के टॉप-ऑर्डर पर फॉर्म को बड़े स्कोर में बदलने का दबाव बनेगा। मौसम की अनिश्चितता और पिच का नेचर नतीजे को अचानक बदल सकते हैं। इंडिया अंडर19 टीम अपने लगातार परफॉर्मेंस और बेहतर अनुभव का फायदा उठाकर जीतने की प्रबल दावेदार है। हालांकि, बारिश के कारण खेल रुक सकता है, जिससे अनप्रेडिक्टेबल नतीजे और नाटकीय पलों की गुंजाइश बन सकती है।

अगर मैच आगे बढ़ता है, तो फैंस को डिसिप्लिन्ड बॉलिंग, जरूरी पार्टनरशिप और शानदार पर्सनल परफॉर्मेंस वाले मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए। यह गेम सिर्फ़ एक रेगुलर ग्रुप-स्टेज मैच नहीं है-यह एम्बिशन, मुश्किलों

और मौके की कहानी है। इंडिया अंडर19 का बारिश से प्रभावित न्यूज़ीलैंड टीम के खिलाफ़ बिना हारे जीत की कोशिश उस एक्साइटमेंट और अनप्रिडिक्टेबिलिटी को दिखाता है जो अंडर-19 वर्ल्ड कप को फ्यूचर स्टार्स के लिए एक अच्छा ग्राउंड बनाती है।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन हारे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता (एजेंसी)। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सिंधू का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधू 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधू की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत वर्ष 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट तक चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का 21 साल कर यह खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जतायी है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून।

तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले भे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के एडम, जैमीसन शामिल

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज एडम मिलने चोटिल होने के कारण अगले माह भारत में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। एडम को ये चोट 20 लीग खेलते समय लगी। इसके बाद उनकी जगह पर काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया गया है। जैमिसन अभी भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं। जैमीसन पहले से ही न्यूजीलैंड की ट्रैवलिंग रिजर्व में शामिल थे। न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के ग्रुप-डी में शामिल है। उसे अपना पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान से खेलना है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, एडम के बाएं हैमस्ट्रिंग में में खिंचाव आया है जिससे वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह पर जैमीसन को शामिल किया गया है। उन्हें एस20 में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। जैमीसन को पहले ही भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया था।

कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि एडम के बार होने पर हमें भी निराशा हुई है पर ये खेला का हिस्सा है।। उन्होंने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए काफी मेहनत की थी। ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपने अच्छी फॉर्म में दिखे थे। हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं।वहीं वाल्टर ने जैमीसन को लेकर कहा कि वह एक विकल्प हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि वह पहले से ही हमारे साथ हैं। वह हमारे तेज गेंदबाजी समूह में शामिल हैं। इस दौरे पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। वह एक मेहनती खिलाड़ी हैं जिनके पास अच्छा अनुभव हैं जो टूर्नामेंट में उनके लिए लाभदायक रहेगा। वाल्टर ने कहा कि टी20 विश्वकप कप के लिए एक ट्रैवलिंग रिजर्व की घोषणा जल्द ही घोषणा की जाएगी।

न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड- मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी.

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं । साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है । रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए । इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे । साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी । साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है । उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी । अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है । डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है । साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है । उन्हें टी20 विश्वकप 2026 की भारतीय टीम में शामिल किया गया है ।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं । टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं । रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है । इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं । उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है । रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था । वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी । रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं । 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे ।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था ।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं । इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है । रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया । घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे । यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही । ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है । सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी ।

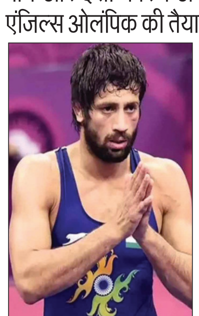

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने के बांग्लादेश के फैसले पर अजहरुद्दीन का बड़ा बयान आया सामने

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मैचों के लिए भारत न आने का फैसला आखिरकार उनके लिए नुकसानदायक होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत करना गलत है, यह देखते हुए कि न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने भी हाल ही में खेला था।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत नहीं कर सकते। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने कुछ दिन पहले ही खेला था।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा,

'आप वर्ल्ड कप के मैचों को इधर-उधर नहीं बदल सकते। चूंकि मैच पहले से ही तय हैं, इसलिए मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है।'

अजहरुद्दीन की यह टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के उस अनुरोध के बाद आई है जिसमें उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से अपने खिलाड़ियों की 'सुरक्षा और संरक्षा चिंताओं' का हवाला देते हुए अपने मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। BCB का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा IPL फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बीच 2026 सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश देने के बाद आया था।

ICC ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए BCB के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनके मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए, जो आगे की राह पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। BCB के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने गुरुवार को पुष्टि की कि ICC द्वारा उनके अनुरोध को खारिज करने के बाद भी BCB भारत में अपने ICC पुरुष वर्ल्ड कप मैच न खेलने के अपने फैसले पर कायम है। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक बांग्लादेश 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान शुरू करेगा।

लिटन दास की कप्तानी वाली टीम इसके बाद 9 फरवरी को उसी जगह पर इटली का सामना करेगी, जिसके बाद वह फिर से कोलकाता में इंग्लैंड से खेलेगी। इंग्लैंड का सामना करने के बाद बांग्लादेश वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलने के लिए मुंबई जाएगा।

टी20 विश्वकप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के फैसले से निराश हैं बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुम्बई । बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया है । इससे बांग्लादेश की टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है । बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है । ऐसे में अब स्कॉटलैंड को विश्वकप में जगह मिल सकती है । वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के इस फैसले से बांग्लादेश के क्रिकेटर खुश नहीं हैं । खिलाड़ियों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप नहीं खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे बात नहीं की थी । खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके से है । इसमें खिलाड़ियों से बात करने की जगह आदेश दिये गये । इससे खिलाड़ियों को लगा कि वे फैसले का हिस्सा नहीं बने । बोर्ड न हालांकि खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी पर उसमें कुछ नहीं हुआ ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : अल्काराज और सबालेंका चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न । विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की । स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज यहां करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी माउटेट से मिली चुनौती से निपटते हुए 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की । अल्काराज ने कोर्ट पर टीवी इंटरव्यू में कहा, 'जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है । जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए । शानदार अंक जुटाए ।' अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने के कारण अगले दौर में प्रवेश किया । पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम कर लिए थे । महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से हराया । सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं । सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं । सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है । अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टौसन को 7-6 (5), 5-7, 6-3 से हराया ।

जसप्रीत बुमराह के अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे, स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धियों पर डालें नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, 'उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता।' उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं।

बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

बाबर बीबीएल से हटे , डेनियल ह्यूजेस शामिल

सिडनी । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट गये है । बाबर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स से खेल रहे थे । ऐसे में सिडनी सिक्सर्स ने बाबर की जगह पर डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया है । टीम ने कहा कि बाबर फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे । वह अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने की तैयारी के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं । ऐसे में उनकी जगह पर शामिल ह्यूजेस सीधे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे । सिक्सर्स ने कहा, आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले बाबर को पाकिस्तान बोर्ड ने नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया था, इसी कारण उन्हें जाना पड़ रहा है । उनकी कमी बीबीएल 15 फाइनल सीरीज़ के शेष मैचों में रहेगी ।। वहीं बाबर ने लीग में रहने के दौरान अपने समर्थन के लिए सभी प्रशंसकों का आभार जताया है । बाबर ने सोशल मीडिया में कहा, सबसे पहले मुझे अवसर देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद । सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया । हालांकि अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी पड़ रही है । उन्होंने साथ ही कहा, मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं । बहुत सी सकारात्मक बातें जिनका मैंने इसका बहुत आनंद लिया । सिडनी सिक्सर्स के प्रशंसकों को में धन्यवाद देता हूं । मैंने सिडनी क्रिकेट मैदान में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद । बाबर का प्रदर्शन लीग में कुछ खास नहीं रहा । वह 11 मैचों में केवल 202 रन ही बना पाये । उनका स्ट्राइक रेट केवल 103.06 का रहा ।

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

नए साल की शुरुआत में बॉलीवुड सेलेब्स साल 2016 की अपनी खट्टी-मीठी यादों को फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में मिस वर्ल्ड रह चुकीं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने भी अपने अतीत के पन्ने खोले हैं और अपने संघर्ष भरे लेकिन प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी मॉडलिंग फोटोज और एमबीबीएस की छात्रा के दौर की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2016 उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार समय था। मानुषी ने लिखा कि उस एक साल में वह बिल्कुल मशहूर टीवी सीरीज 'हैना मोंटाना' की तरह दोहरी जिंदगी जी रही थीं। एक तरफ वह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं, तो दूसरी तरफ मिस इंडिया चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट और मॉडलिंग असाइनमेंट्स को संभाल रही थीं। मानुषी ने बताया कि शनिवार को क्लास खत्म होने के बाद उन्होंने एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। इसके बाद उन्हें पहला कैंपेन मिला और फिर एक के बाद एक कई ऑफर्स आते चले गए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें धीरे-धीरे एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री शायद उनके जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब कुछ जरूर है। उन्होंने अपनी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग का जिक्र करते हुए लिखा कि जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन वह खुद नहीं थीं, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। मानुषी ने यह भी साझा किया कि मिस इंडिया के लिए उन्होंने 'सिर्फ एक बार' इंस्टाग्राम जॉइन किया था, लेकिन आज एक दशक बाद वह सोशल मीडिया की दुनिया में मजबूती से मौजूद हैं। उनके कैप्शन से साफ झलकता है कि पढ़ाई और मॉडलिंग के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को पूरे जुनून और मेहनत के साथ स्वीकार किया। एमबीबीएस जैसी कठिन पढ़ाई के साथ-साथ मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने की तैयारी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और उसी साल मिस वर्ल्ड का ताज भी अपने नाम किया। वह मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली छठी भारतीय महिला

हिना खान का देसी अंदाज में ग्लैमर

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री हिना खान एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। हिना खान हर बार अपने स्टाइल से फैंस को हैरान कर देती हैं और इस बार उन्होंने देसी लुक में मॉडर्न ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में सामने आई उनकी नई तस्वीरों में वह मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई ब्राउन साड़ी में नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। हिना खान की इस ब्राउन साड़ी पर बारीकी से किया गया शिमरी सीक्विन वर्क उनके लुक को बेहद एलिगेंट और रॉयल बना रहा है। साड़ी का सॉफ्ट और वार्म ब्राउन शेड उनकी स्किन टोन पर बेहद खूबसूरत लग रहा है, जिससे उनका पूरा अंदाज और भी निखर कर सामने आया है। इस देसी आउटफिट के साथ हिना ने न्यूड मेकअप, ग्लोसी लिप्स और हल्के मैसी हेयरस्टाइल को चुना है, जो उनके लुक को परफेक्ट बैलेंस देता नजर आता है।

साल 2026 का स्वागत बेहद भावुक अंदाज में भूमि पेडनेकर ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने करियर की शुरुआत से जुड़े कई यादगार पलों को ताजा किया। इसके साथ ही उन्होंने नए साल 2026 का स्वागत भी बेहद भावुक और निजी अंदाज में किया। सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड '2026 इज द न्यू 2016' को फॉलो करते हुए भूमि ने अपने जीवन के करीब दस साल पुराने लम्हों की झलक फैंस के साथ साझा की। इन तस्वीरों और यादों के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि आज जिस मुकाम पर वह खड़ी हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे कितनी मेहनत, धैर्य और सीख छिपी हुई है। भूमि ने उन दिनों को याद किया जब सपने नए थे, आत्मविश्वास आकार ले रहा था और सफर की असली शुरुआत हो रही थी। भूमि पेडनेकर ने सबसे पहले अपनी फिल्म 'टॉयलेट- एक प्रेम कथा' से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने इस फिल्म के सेट पर अपने पहले दिन की तस्वीरें पोस्ट कीं। साल 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार नजर आए थे। भूमि ने बताया कि उस वक्त वह एक नई अभिनेत्री थीं, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे और खुद पर भरोसा अटूट था। इसके अलावा भूमि ने अपने पहले प्रोफेशनल फोटोशूट, पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह में शामिल होने और अपने पहले मैगजीन कवर की झलक भी दिखाई। उन्होंने उस दौर को भी याद किया जब उन्होंने फिटनेस को लेकर गंभीरता दिखाई और पाइलेट्स के जरिए अपने शरीर में बड़ा बदलाव लाया। भूमि ने बताया कि यह बदलाव सिर्फ शारीरिक नहीं था, बल्कि मानसिक रूप से भी उनके लिए बेहद जरूरी और सशक्त करने वाला साबित हुआ। अपने पोस्ट में भूमि पेडनेकर ने उन लोगों का भी जिक्र किया, जिन्होंने उनके शुरुआती दिनों में उनका साथ दिया। उन्होंने अपने परिवार, करीबी दोस्तों और मेंटर्स के प्रति आभार जताया और उन्हें अपनी 'गॉड मदर्स' कहा। इसके साथ ही भूमि ने वह खास पल भी याद किया, जब वह स्पेन गई थीं और वहां उन्हें अपना पहला आईफा अवॉर्ड मिला था, जिसे उन्होंने अपने जीवन का एक सपने जैसा पल बताया। करियर की यादों के साथ भूमि ने नए साल 2026 के जश्न की झलक भी साझा की। उन्होंने यह साल अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्यार, उम्मीद और स्वादिष्ट खाने के बीच शुरू किया। कैप्शन में भूमि ने लिखा कि उन्होंने नया साल उन लोगों के साथ मनाया, जिन्हें वह दिल से प्यार करती हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने दमदार अभिनय और लगातार मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। छोटे शहरों की कहानियों से लेकर सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों तक, भूमि ने हर किरदार को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाया है।

'मर्दानी 3' के ट्रेलर को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। एक बार फिर रानी अपने लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आ रही हैं, जो एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी हैं। इस बार कहानी 93 लापता लड़कियों को बचाने की जंग पर केंद्रित है, जिसमें शिवानी समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए अपनी जान तक जोखिम में डाल देती हैं। यश राज फिल्म्स की इस फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे अपार प्यार पर प्रतिक्रिया देते हुए रानी मुखर्जी ने इसे अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे वह कैमरा कट होते ही भूल जाएं। रानी के मुताबिक, इस किरदार के जरिए उन्होंने सेवा, साहस और जिम्मेदारी का असली अर्थ समझा है। उन्होंने यह भी कहा कि साहस अक्सर अकेला होता है और यही बात इस किरदार को और भी खास बनाती है।

रानी ने भारतीय पुलिस बल के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए कहा कि देश की पुलिस फोर्स बिना किसी शिकायत और बिना किसी तमगे की उम्मीद के, चुपचाप देश की सेवा करती है। रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित करते हुए खास तौर पर महिला अधिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को अक्सर ज्यादा सवालों और संदेह का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद वे मजबूती और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निभाती हैं। रानी ने कहा कि 'मर्दानी 3' का अस्तित्व इन्हीं जांबाज महिला अधिकारियों की वजह से है, जो ताकत और करुणा के साथ नेतृत्व करती हैं।

रानी का मानना है कि ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि समाज आज भी अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जब कुछ गलत होता है तो लोगों को गुस्सा आता है और जब कोई असहायों की रक्षा के लिए खड़ा होता है तो गर्व महसूस होता है। यही भावना 'मर्दानी 3' की आत्मा है। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मर्दानी 3' सामाजिक मुद्दों पर आधारित अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां पहली फिल्म ने मानव तस्करी और दूसरी ने एक सीरियल रेपिस्ट की मानसिकता को उजागर किया था, वहीं तीसरी किस्त समाज की एक और कड़वी सच्चाई से पर्दा उठाती है।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी और कई राज्यों में इसे टैक्स फ्री भी किया गया था। फिल्म में विक्रांत ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन को पर्दे पर जीवंत किया था। अब पर्दे के बाहर भी विक्रांत मैसी शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं और इसे ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बातचीत बेहद सार्थक रही और भारतीय भाषाओं के प्रति मंत्री का लगाव उन्हें खास तौर पर प्रभावित कर गया। विक्रांत के अनुसार, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और कक्षाओं को ज्यादा संवादात्मक बनाने पर हुई चर्चा बेहद प्रेरणादायक रही। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से बचपन से ही रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने को लेकर अच्छी चर्चा हुई। इन पोस्ट्स से यह साफ होता है कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि स्कूली शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में विचारों का आदान-प्रदान था। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफल सफर तय कर चुके विक्रांत मैसी हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा रहे हैं, जो समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। 'छपाक', 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द साबरमती रिपोर्ट' और '12वीं फेल' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय खूब सराहा गया है।

संजय कपूर की विरासत पर बढ़ा विवाद

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और जाने-माने उद्योगपति संजय कपूर के निधन के बाद उनकी संपत्ति और विरासत को लेकर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में अब संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने एक नई याचिका दाखिल कर मामला और जटिल कर दिया है। प्रिया सचदेव ने अदालत से करिश्मा कपूर और संजय कपूर के बीच हुए तलाक से जुड़े सभी कानूनी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह याचिका संजय कपूर की संपत्ति, वसीयत और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दायर की गई है। प्रिया का कहना है कि इन दस्तावेजों के बिना विरासत से जुड़े तथ्यों की सही जांच संभव नहीं है। इस मामले की सुनवाई 16 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। संजय कपूर और करिश्मा कपूर का तलाक काफी समय पहले हो चुका था, लेकिन उनके रिश्ते और समझौते हमेशा चर्चा में रहे। अब संजय के निधन के बाद यह मामला फिर से सुर्खियों में आ गया है। कानूनी जानकारों का मानना है कि इस याचिका से संपत्ति विवाद में नया मोड़ आ सकता है। इस पूरे विवाद पर करिश्मा कपूर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, प्रिया सचदेव की इस पहल से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में यह मामला और लंबा खिंच सकता है।

अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही 'बॉर्डर'

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म बार्डर की सिक्वल 'बॉर्डर 2' की रिलीज नजदीक आ चुकी है, तो साल 1997 में आई इस क्लासिक फिल्म को दोबारा देखना दर्शकों के लिए देशभक्ति के उस जज्बे को फिर से महसूस करने का बेहतरीन मौका बन गया है। खास बात यह है कि 'बॉर्डर' इस समय अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है, जिससे नई पीढ़ी भी इस ऐतिहासिक कहानी से जुड़ सकती है। निर्देशक जे. पी. दत्ता द्वारा बनाई गई 'बॉर्डर' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित थी। फिल्म में खास तौर पर राजस्थान के लोंगेवाला पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक युद्ध को केंद्र में रखा गया था। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय सैनिकों की रणनीति, साहस और देश के लिए दी गई कुर्बानी को फिल्म ने बेहद भावनात्मक और प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। यही वजह रही कि यह फिल्म दर्शकों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन गई। फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का दमदार किरदार निभाया था, जो अपने जवानों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे। उनके जोशीले संवाद और गुस्से से भरा अभिनय आज भी लोगों की यादों में ताजा है।

सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना ने भी सैनिकों की भूमिकाओं में शानदार अभिनय किया। खासतौर पर अक्षय खन्ना का संवेदनशील और युवा सैनिक का किरदार दर्शकों के दिल को छू गया था। 'बॉर्डर' का संगीत भी इसकी बड़ी ताकत रहा। 'संदेशे आते हैं' और 'मेरे दुश्मन मेरे भाई' जैसे गीत आज भी देशभक्ति गीतों में खास स्थान रखते हैं। इन गानों ने सैनिकों और उनके परिवारों के दर्द, इंतजार और भावनाओं को बखूबी बयां किया, जिसके चलते फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों की भी जमकर सराहना मिली। करीब 28 साल बाद अब 'बॉर्डर 2' उसी देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे. पी. दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है।

सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। यह फिल्म भी 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इस बार कहानी का दायरा और व्यापक होगा, जिसमें थलसेना के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कार्रवाई को दिखाया जाएगा। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि जब भी हिंदी सिनेमा में देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों की चर्चा होती है, तो 90 के दशक की कुछ यादगार फिल्मों का जिक्र अपने आप होने लगता है। इन्हीं में एक सबसे अहम नाम सनी देओल की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का है, जिसने न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, बल्कि दर्शकों के दिलों में देशप्रेम और बलिदान की गहरी छाप भी छोड़ी थी।

कैसे बचाएं बच्चों को ठंड से

इन दिनों जाड़ा चरम अवस्था पर है और बच्चे अपने रोग-प्रतिरोधक तंत्र के कमजोर होने के कारण इस मौसम में तकलीफें कुछ ज्यादा पाते हैं। नवजात शिशु से लेकर 8 से 10 साल की उम्र तक के बच्चे जाड़े में अधिक प्रभावित होते हैं।

नवजात शिशु और सजगता

सर्दियों के मौसम में शिशु का जन्म एक गर्म स्थान पर होना चाहिए। घर हो या अस्पताल जन्म के पहले ही नवजात के लिए एक गर्म स्थान की व्यवस्था कर लेनी चाहिए। जाड़े के मौसम में अगर बच्चे को गर्म स्थान न मिले, तो उसे सांस लेने तक में समस्या आ सकती है। नवजात को गर्मी देने के लिए रेडिएन्ट हीटर (तार वाला हीटर) या 200 वाट के दो बल्ब प्रयोग में लाये जा सकते हैं। प्रसव के स्थान पर धुएंदार अंगीठी या कंडे का प्रयोग न करें। इससे कार्बन मोनॉक्साइड पैदा होती है, जो सांस के जरिये फेफड़े के लिए अति हानिकारक हैं।

जन्मोपरांत बच्चे को गर्मी देने के लिए इसी प्रकार हीटर या 200 वाट के बल्ब का प्रयोग करें। परन्तु उत्तर प्रदेश में बिजली की आपूर्ति एक समस्या है। ऐसे में बच्चे को गर्मी देने के लिए उसके बिस्तर में, परन्तु उसके शरीर से कुछ दूर, गुनगुने पानी की बोतलें रखी जा सकती हैं। कमरे व बोतलों की गर्मी उचित तापमान में रहनी चाहिए। अगर कमरा 28 डिग्री सेंटीग्रेड पर गर्म है और बच्चे के शरीर का तापमान 98 से 99 डिग्री के बीच है, तो यह उचित होगा।

अन्य रोगों का अंदेशा

जाड़े के मौसम में बच्चों को सर्दी, खांसी और यहां तक कि निमोनिया (न्यूमोनिया) होने का खतरा बढ़ जाता है। निमोनिया का कारण वायरस और बैक्टीरिया का इन्फेक्शन दोनों ही हो सकते हैं। बच्चों को अधिक समय तक बन्द, गर्म और ऐसे कमरों (जिसमें अत्यधिक लोग आते-जाते हैं) में रखने से वाइरस और बैक्टीरिया के संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके बचाव के लिए दिन के समय घरों के दरवाजे खुले रखे जा सकते हैं ताकि ताजी हवा घर के अन्दर आ सके। खुली हवा और धूप दोनों ही घर के अन्दर के संक्रमण को खत्म करने में सहायक होते हैं। थोड़ी-बहुत सर्दी, जुकाम के लिये दवाएं सहायक नहीं होतीं बल्कि ऐसे में बिजली की केतली की सहायता से दिन में तीन चार बार बच्चे को भाप देना उचित होगा। भाप सादे पानी की ही दें। उसमें कोई दवा न डालें। दवाओं से एलर्जी बढ़ने का खतरा होता है।

वाइरल डायरिया

जाड़ों में अक्सर बच्चे वाइरल डायरिया से भी ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग का अन्य कारणों के साथ एक कारण जाड़े में हाथों या बर्तनों का ठीक से न धोना भी हो सकता है। बच्चों के हाथ साबुन से धुलवाएं। इस काम में आलस्य न करें या फिर हैंड सेनीटाइजर का प्रयोग करें। हैंड सेनीटाइजर सूखे हाथों पर ही लगाएं और लगाने के बाद ठीक प्रकार से दोनों हाथों को आपस में रगड़ लें। हैन्ड सेनीटाइजर का प्रयोग जीवाणुओं की रोकथाम का एक प्रभावी उपाय है।

तेल व क्रीम का प्रयोग

जैसे तिल, सरसों या नारियल का या फिर वैसलीन या क्रीम अवश्य लगाएं। शरीर पर तैलीय पदार्थ लगाने से त्वचा भी सुरक्षित रहती है।

इस मौसम में कपड़ों का चयन भी सावधानी से करें। बाजार में बहुत ही आकर्षक और गर्म दिखने वाले कपड़े दिखायी पड़ते हैं, परंतु वे उतने गर्म नहीं होते। जाड़े से बचाव के लिए कपड़े प्योर ऊल के ही लें। बच्चों के सिर का साइज उनके शरीर के अनुपात में बड़ा होता है। इसे ढक कर रखने से भी जाड़े से काफी बचत होती है।

बच्चों को गर्म रखने के लिए कुछ अधिक ऊर्जा की भी आवश्यकता होती है। मेवा से स्वास्थ्यकर फूड कैलोरी मिलती है। बड़े बच्चों को मेवा देना बेहतर होगा।

रखें ध्यान, ठंड से न पड़ जाएं बीमार

ठंड का कहर न केवल बुजुर्गों बल्कि युवाओं पर भी भारी पड़ सकता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि लोग अपनी सुरक्षा खुद करें और बचाव की राह पर चलें। सभी को शरीर को पूरी तरह ढक कर रखना चाहिए। बुजुर्ग व बच्चे सुबह व शाम के समय घर से बाहर निकलने से बचें और बीमार लोग सुबह के समय रक्तचाप की जांच जरूर कराएं, डॉक्टर के संपर्क में रहें तथा रक्तचाप नियंत्रित करने के लिए दवाएं लेते रहें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- स्कूटर व मोटरसाइकिल से चलने वाले लोग इस बात का ध्यान रखें कि हवा सीधे छाती पर न लगे।
- सूर्योदय के बाद ही सुबह टहलने के लिए निकलें, सुबह की सैर पर जाने से पहले गरम पदार्थ न लें।
- सुबह की सैर हवा के रुख के साथ करें।
- ध्यान रखें कि बच्चों के कपड़े गीले तो नहीं हैं।
- बच्चों के हाथ-पैर आदि धोने के लिए गर्म पानी का प्रयोग करें।
- आइसक्रीम, शीतल पेय व शरबत जैसी ठंडी चीजों का सेवन न करें।
- त्वचा की सफाई के लिए साबुन व शैंपू की जगह बेसन व दही का प्रयोग करें।
- नहाने अथवा हाथ-मुंह धोने के लिए गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

कहीं सर्दी में अकड़ न जाए घुटना

सर्दी में लोग चटपटा खाना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन, कहीं ऐसा न हो कि वसा युक्त अधिक खाना सेहत के लिए भारी पड़ जाए। विशेषकर गठिया के मरीजों के लिए ऐसा भोजन बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। इससे पहले कि चलना फिरना भी मुश्किल हो जाए, सचेत हो जाएं। क्योंकि सर्दियों में गठिया की परेशानी बढ़ जाती है।

एम्स के रुमेटोलॉजी विभाग की प्रमुख प्रो. उमा कुमार ने बताया कि ठंड के मौसम में ऑस्टियो अर्थाराइटिस की परेशानी ज्यादा होती है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में लोग ज्यादा खाना खाते हैं। लेकिन, घी, तेल, व वसा युक्त भोजन का इस्तेमाल अधिक करते हैं। ठंड के कारण लोग व्यायाम नहीं करते। अधिक खाने व व्यायाम नहीं करने से शरीर का वजन बढ़ जाता है। इस कारण गठिया के मरीजों का शरीर अकड़ने लगता है। इसके अलावा इस बीमारी का कारण विटामिन डी की कमी है। सर्दी में धूप कम निकलने से शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। इस वजह से गठिया की परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों में विटामिन डी की कमी हो वे विटामिन डी की दवा ले सकते हैं। डॉ उमा ने बताया कि यह बीमारी घुटने में होती है। इसके कारण घुटना में सूजन व तेज दर्द होता है। गठिया देश में एक सामान्य बीमारी है। देश की करीब 20 फीसद जनसंख्या इस बीमारी से ग्रसित है। करीब 4.60 करोड़ लोगों को घुटने की गठिया है।

जानिए कैसे बनाए मातृत्व का अहसास खूबसूरत

खुबसूरत अहसास है मातृत्व। जैसे ही आपको पता चलता है कि आप मां बनने वाली हैं, उसी समय से गर्भस्थ शिशु के साथ एक रिश्ता बन जाता है। उसका विकास सही ढंग से हो, इसके लिए आप हर एहतियात बरतने की कोशिश करती हैं। इस लिहाज से खानपान पर ध्यान देना सबसे जरूरी हैं, क्योंकि आपके जरिए ही पोषण गर्भस्थ शिशु तक पहुंचता है। अगर आपका खानपान ठीक नहीं है तो यह और भी जरूरी हो जाता है कि आप संतुलित आहार के सेवन की आदत डालें। गर्भावस्था के दौरान आपका शरीर भोजन के जरिए प्राप्त होने वाली ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चत करता है। इस दौरान आपको अपना खानपान ऐसा रखना चाहिए कि शरीर को कुछ विशेष विटामिन्स और मिनरल्स जैसे फोलिक एसिड और आयरन इत्यादि और कुछ अधिक कैलोरी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही कोशिश करनी चाहिए कि जंक फूड से दूर रहें। यदि किसी महिला का खानपान पहले से ही संतुलित पोषण वाला रहा है तो उसके शरीर में इन तत्वों का कुछ भंडार रहता है, जिससे गर्भस्थ शिशु की जरूरत पूरी हो सके। ऐसे में मां की सेहत को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

भोजन की मात्रा :

अक्सर लोग सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान मां को दो लोगों की जरूरत के अनुसार भोजन ग्रहण करना चाहिए, जबकि हकीकत में एक सामान्य महिला को गर्भावस्था के पहले छह माह तक अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता नहीं होती। इस दौरान भूख के अनुसार भोजन करना ही काफी रहता है।

जरूरत के मुताबिक आहार :

शरीर की बढ़ी हुई जरूरतों के अनुसार आपको संतुलित भोजन करना चाहिए। संतुलित आहार वह है जिसमें विभिन्न प्रकार का पोषण प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ शामिल हों। उदाहरण के तौर पर ऊर्जा देने वाले पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट्स),शरीर का निर्माण करने वाले तत्व (प्रोटीन) और सुरक्षा प्रदान करने वाले तत्व (मिनरल्स-विटामिन्स) इत्यादि की उचित मात्रा वाला आहार संतुलित आहार कहलाता है। शरीर की अवस्था के अनुसार भोजन में इन पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए, क्योंकि गर्भावस्था, शरीर की बनावट या शारीरिक मेहनत के अनुसार इस जरूरत का निर्धारण होता है।

ऊर्जा :

आमतौर पर गर्भावस्था के अंतिम महीनों में शरीर को कुछ अधिक मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है (हालांकि यह बढ़ोत्तरी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। आहार विशेषज्ञ भोजन में रोजाना 300 कैलोरी अधिक शामिल करने की सलाह देते हैं। इस जरूरत को आप हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ्थो जैसे दूध, नट्स, सूखे मेवों, सोया उत्पादों के सेवन के जरिए पूरा कर सकती हैं।

प्रोटीन :

प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा गर्भस्थ शिशु के तेजी से विकास, गर्भनाल, स्तन ग्रंथियों व गर्भाशय के विस्तार, एमनियोटिक फ्लूइड के निर्माण व भंडारण, सहज प्रसव, मां के दूध के निमार्ण के लिए जरूरी है। मां के जरिए गर्भस्थ शिशु तक अमीनो एसिड पहुंचाने के लिए भी यह जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान रोजाना आहार में 15 ग्राम प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा शामिल करने की सलाह दी जाती है। दूध, मांस, अंडा और चीज इत्यादि प्रोटीन के अच्छे स्त्रोत हैं।

आयरन :

गर्भावस्था के दौरान आहार में रोजाना आठ ग्राम आयरन की अतिरिक्त मात्रा यानी 38 ग्राम आयरन प्रतिदिन भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर जन्म के समय शिशु के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 18-22 मिली./डीएल (डेसीलीटर) रहता है। गर्भस्थ शिशु और गर्भनाल के विकास के लिए आयरन बहुत जरूरी है। रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने के लिए भी इसकी समुचित मात्रा प्राप्त होना आवश्यक है। हरी सब्जियां, अंडा, दालों और आयरन युक्त नमक इसका अच्छा स्त्रोत हैं।

फोलिक एसिड :

एक सामान्य महिला को रोजाना 100 मिलीग्राम फोलिक एसिड की जरूरत होती है, पर विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान रोजाना 400 मिलीग्राम फोलिक एसिड प्राप्त करने की सलाह देते हैं। इसकी कमी से गर्भावस्था में मैक्रोसाइटिक एनीमिया व गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क व रीढ़ के विकास में दोष उत्पन्न हो सकता है। गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक व सिट्रस फलों में यह अ%छी मात्रा में पाया जाता है।

कैल्शियम :

गर्भस्थ शिशु की हड्डियों व दांतों के विकास के लिए कैल्शियम की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में इसकी करीब 25-30 ग्राम मात्रा गर्भस्थ शिशु तक पहुंचती है। दूध, दही, मट्ठा इत्यादि इसके अच्छे स्त्रोत हैं। इनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम के साथ ही विटामिन बी 12 भी पाया जाता है। अगर आपको दूध और उससे निर्मित उत्पादों से एलर्जी है तो इन तत्वों के सेवन के विषय में अपने चिकित्सक से परामर्श ले सकती हैं।

विटामिन ए :

आमतौर पर एक महिला को 2400 माइक्रोग्राम बी कैरोटिन की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था के दौरान भी इसकी इतनी ही मात्रा ग्रहण करने की जरूरत होती है। अंडे की जर्दी, मक्खन, गहरे हरे और पीले रंग की सब्जियां और फल विटामिन ए के अच्छे स्त्रोत हैं।

विटामिन डी :

मां का शरीर कैल्शियम को भली प्रकार एब्जा ?र्ब्व कर सके, इसके लिए विटामिन डी लेना बेहद जरूरी है। सूरज की किरणों से विटामिन डी मिलता है, जिसकी मदद से शरीर दूध, दालों इत्यादि से मिलने वाले कैल्शियम को भली प्रकार ग्रहण कर पाता है।

सोडियम :

किसी प्रकार के विकारों, डिसऑर्डर और कमी से बचने के लिए एक सामान्य महिला के शरीर में सोडियम की समुचित मात्रा पहुंचनी चाहिए। आहार में इसकी कमी से हार्मोन संबंधी बदलाव उत्पन्न हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ऐसी दवाओं से बचना चाहिए, जिनसे बार बार-बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता महसूस हो, क्योंकि इससे शरीर से जरूरी सोडियम भी निकल जाता है। अगर हाइपरटेंशन जैसी कोई समस्या है, तब सोडियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी जाती है।

तरल पदार्थ :

शरीर में पानी की कमी न होने दें। भरपूर मात्रा में पानी पीने के साथ ही ताजे फलों का रस ग्रहण करें। जब भी घर से बाहर जाएं तो पीने का पानी साथ ले जाएं, क्योंकि बहुत सी बीमारियां अशुद्ध पानी के कारण होती हैं।

वसा :

इस दौरान अपने कुकिंग ऑयल व वसा पर ध्यान देना भी जरूरी है। घी, मक्खन और नारियल तेल में सैचुरेटेड फैट्स काफी ज्यादा होते हैं, इसलिए इनके सेवन से बचना चाहिए। इनके अलावा वनस्पति घी में ट्रांस फैट्स की मात्रा अधिक होती है और यह भी सैचुरेटेड फैट के जितना ही नुकसानदेह होता है।